

यूरोप की बढहाली... अमेरिकी रणनीति और अराजकता की कीमत

फ्रांस, इटली, स्पेन, जर्मनी और अल्बानिया में अलग-अलग कारणों से उभरते विरोध प्रदर्शनों और हिंसक घटनाओं को भारत की राजनीति के साथ जोड़कर देखने से पहले उनकी अपनी परिस्थितियों को समझना होगा। हर देश की राजनीतिक व्यवस्था, आर्थिक चुनौतियाँ और सामाजिक तनाव अलग हैं। फिर भी, इन घटनाओं के पीछे एक व्यापक प्रश्न मौजूद है- क्या आर्थिक संकट और जन-असंतोष का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है?

रूस-यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक प्रतिस्पर्धा को गहरा झटका दिया। रूस से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में कमी के बाद यूरोपीय देशों को वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी पड़ी। महंगी ऊर्जा ने उद्योगों, परिवहन और घरेलू खर्च पर दबाव बढ़ाया। महंगाई, रोजगार,



प्रसंगवश
राजेश सिरोटिया

के पीछे एक व्यापक प्रश्न मौजूद है- क्या आर्थिक संकट और जन-असंतोष का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है?

रूस-यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक प्रतिस्पर्धा को गहरा झटका दिया। रूस से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में कमी के बाद यूरोपीय देशों को वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी पड़ी। महंगी ऊर्जा ने उद्योगों, परिवहन और घरेलू खर्च पर दबाव बढ़ाया। महंगाई, रोजगार,

युद्ध की कीमत कौन चुका रहा है...

मध्य-पूर्व में संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़ी अनिश्चितता ने ऊर्जा बाजार के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी की हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल का असर केवल युद्धरत देशों पर नहीं पड़ता। आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं, उद्योगों, परिवहन और आम परिवारों को भी इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। ऐसे में सवाल उठता है कि रणनीतिक फैसले लेने वाले देशों और उनकी सरकारों की प्राथमिकताओं का मूल्य आखिर आम नागरिक क्यों चुकाए? यूरोप में यदि महंगाई और बेरोजगारी से परेशान लोग सड़कों पर उतरते हैं, तो उनकी समस्याओं को केवल राजनीतिक षड़यंत्र बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि कोई संगठन वास्तविक जन-असंतोष को हिंसा, तोड़फोड़ या लोकतांत्रिक व्यवस्था को अस्थिर करने के लिए इस्तेमाल करता है, तो उसकी भूमिका की जांच भी जरूरी है।

यही से वित्तपोषण, संगठनात्मक संपर्क और राजनीतिक उद्देश्यों का प्रश्न फिर सामने आता है। क्या अलग-अलग देशों के आंदोलनों को कोई साझा नेटवर्क संसाधन मुहैया करा रहा है? क्या उनके बीच निर्देशों, धन या रणनीति का प्रमाणित आदान-प्रदान है? क्या किसी विदेशी शक्ति ने घरेलू असंतोष को अपने हित में इस्तेमाल करने की कोशिश की है? ये महत्वपूर्ण जांच-प्रश्न हैं। लेकिन केवल एक ही समय पर अलग-अलग देशों में प्रदर्शन होने से किसी साझा संचालक या अमेरिकी डीप स्टेट की भूमिका सिद्ध नहीं होती। ऐसी भूमिका स्थापित करने के लिए दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड, संचार और स्वतंत्र जांच के निष्कर्ष चाहिए। हालांकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुअल मैक्रो ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उस बयान को खारिज कर दिया है कि बाहरी मुस्लिमों ने फ्रांस में हिंसा फैलाई। लेकिन उन्होंने इशारों ही इशारों में विदेशी ताकतों के हाथ होने का आरोप लगाते हुए ट्रम्प को भी इससे बारी नहीं किया। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि अल्बेनिया में सुप्रीम अदालत तक को फूँकने का काम करते हुए प्रदर्शनकारियों ने ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनेर को जमीन देने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। फिर अमेरिका में तीन नवम्बर को होने वाले चुनाव के बीच फंसे ट्रम्प की भारत के प्रति उमड़ी दीवानगी के कारण भी समझा जाना चाहिए।

आवास और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी समस्याओं ने राजनीतिक असंतोष को भी हवा दी। अमेरिका की रणनीतिक भूमिका इस पूरे घटनाक्रम का महत्वपूर्ण पहलू है। यूरोप ने अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिकी सहयोग पर भरोसा किया, लेकिन ऊर्जा, व्यापार और युद्ध की लागत को लेकर यूरोपीय हित हमेशा अमेरिकी

प्राथमिकताओं से मेल नहीं खाते। यूरोप की ऊर्जा निर्भरता, रूस के साथ उसके संबंध और अमेरिका की विदेश नीति के बीच तनाव की पड़ताल जरूरी है। रूस-यूक्रेन युद्ध, यूरोपीय देशों के अपने नीतिगत फैसले, वैश्विक ऊर्जा बाजार और मध्य-पूर्व के संघर्ष। सभी ने परिस्थितियों को प्रभावित किया है।

बदलती विश्व व्यवस्था की परीक्षा
आज दुनिया एक ऐसे दौर में है, जहां ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा, युद्ध, व्यापार और घरेलू राजनीति एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। किसी देश की आर्थिक कमजोरी केवल उसकी सीमाओं के भीतर सीमित नहीं रहती। उसके प्रभाव दूर-दराज के बाजारों और समाजों तक पहुंचते हैं। ऐसी

परिस्थितियों में राजनीतिक अवसरवाद की गुंजाइश भी बढ़ जाती है। कोई दल जन-असंतोष से लाभ उठा सकता है, कोई संगठन आंदोलन का नेतृत्व कर सकता है और कोई बाहरी शक्ति दूसरे देश की आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठाने की कोशिश कर सकती है। लेकिन इन संभावनाओं को प्रमाणित तथ्यों से अलग रखना ही गंभीर पत्रकारिता की पहचान है। भारत के लिए भी यही चुनौती है। किसी भी देश की स्थिरता केवल मजबूत सरकार से नहीं आती। इसके लिए विश्वसनीय संस्थाएं, जवाबदेह राजनीतिक दल, पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था और नागरिकों का भरोसा आवश्यक है। अराजकता की सबसे बड़ी कीमत सत्ता में बैठे लोग नहीं, बल्कि आम नागरिक चुकाते हैं- अपनी आजीविका, सुरक्षा और भविष्य की अनिश्चितता के रूप में। जो देश आर्थिक लचीलेपन, सामाजिक स्थिरता और संस्थागत विश्वसनीयता को मजबूत करेगा, वही इस संक्रमण से उबरकर नई विश्व व्यवस्था में अपनी जगह बना पाएगा। जो देश आंतरिक अविश्वास, राजनीतिक कटुता और आर्थिक कमजोरी से बाहर नहीं निकल पाएंगे, उनके लिए इतिहास कठोर साबित हो सकता है।

न्यूज विंडो

खादूरश्याम से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार खाई में गिरी 4 की मौत

जयपुर। राजस्थान के दोसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर आज की सुबह बड़ा हादसा हो गया। रायसर के पास एक कार का टायर फटने से चार लोगों की मौत हो गई। टायर फटते ही कार बेकाबू होकर सड़क किनारे एक गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद के लिए पुलिस को फोन किया। इस दौरान स्लोगो ने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाल लिया। रायसर के थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने बताया हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान हो चुकी है। इसमें अतुल, रुपेश, मुकुल और शिवा के तौर पर हुई हैं। सभी आगरा के निवासी थे।

महाकाल मंदिर में 150 कमांडो ने रात 2 बजे तक की मॉक ड्रिल



उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG), मुंबई की टीम ने देर रात मंदिर परिसर में मॉक ड्रिल की। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों, सुरक्षा बलों की तैयारी और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को परखना था। इससे पहले भी महाकाल मंदिर और आसपास के संवेदनशील इलाकों में उच्चस्तरीय सुरक्षा मॉक ड्रिल की जा चुकी हैं। रात करीब 11 बजे शुरू हुआ मॉक ड्रिल मध्यरात्रि के बाद 2 बजे तक चला। इसमें एनएसजी के करीब 150 कमांडो शामिल हुए।

असम सीएम के विजिलेंस सेल के DSP की मौत, होटल में मिला शव

दिसपुर। असम के बोंगाईगांव जिले के एक होटल के कमरे में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के विजिलेंस सेल से जुड़े एक पुलिस उपाधीक्षक (DSP) मृत पाए गए। अधिकारी की पहचान खर्गेश्वर प्रभा के तौर पर हुई है। उनका शव 'होटल जाह्नवी रीजेंसी' के एक कमरे में मिला, जो आंशिक रूप से सड़ने की स्थिति में था। रिपोर्ट्स के मुताबिक DSP 18 अक्टूबर को होटल में रुके थे। होटल कर्मचारियों ने जब इस बात पर ध्यान दिया कि बहुत देर से कमरे से कोई आ-जा नहीं रहा और कमरे से अजीब सी बदबू आ रही है, तब उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्क्लेव-2026

मुख्यमंत्री बोले-ब्लू क्रांति की ओर कदम बढ़ा रहा है हमारा प्रदेश

■ कुवैत की कंपनी से 7430 करोड़ का करार, 6 हजार करोड़ का मत्स्य निर्यात होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में मत्स्य पालन, निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भोपाल में कुवैत की जबेदी अल कुवैत फिशरीज कंपनी और कामदर्स केयर इंदौर की कंपनी के बीच 7430 करोड़ रुपए का समझौता हुआ। इससे जहां प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, वहीं इस बायबैक समझौते से किसान और मछुआरा समाज के लोगों के लिए आय के रास्ते भी खुलेंगे।

मत्स्य पालन को लेकर राजधानी में राष्ट्रीय फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन किया गया। इसमें सीएम डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह और केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल शामिल हुए।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस मौके पर कहा कि इंदिरा सागर और बारना में मत्स्य संरचना के तहत 4 लाख टन अतिरिक्त मछली उत्पादन का लक्ष्य है। इससे 6 हजार करोड़ के निर्यात की राह खुलेगी। इसके साथ ही करीब 35 हजार मत्स्य पालकों के लिए



हलाली में मछलियों के साथ बतख और मोती का उत्पादन

मध्यप्रदेश में मछली पालन को बड़े उद्योग और अंतरराष्ट्रीय निर्यात कारोबार के रूप में विकसित करने की तैयारी है। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को रिजर्वियर फिशरीज वलस्टर कार्यक्रम में शामिल किया है। इसके तहत रायसेन के सम्राट अशोक सागर यानी हलाली जलाशय और खडवा के इंदिरा सागर जलाशय को मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। बेहतर प्रबंधन और उत्पादन से बाजार तक की पूरी व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। नई नीति में एकीकृत मत्स्य पालन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके तहत उपयुक्त जलक्षेत्रों में मछली पालन के साथ बतख और कुक्कुट पालन, मोती उत्पादन, कमल, सिंघाड़ा और मखाने की खेती को बढ़ावा देने की योजना है। इस मॉडल से एक ही जल संसाधन के जरिए कई तरह के उत्पाद तैयार किए जा सकेंगे। प्रसंस्करण, पैकेजिंग, भंडारण और विपणन से जुड़े कारोबार में ग्रामीण युवाओं और महिला स्व-सहायता समूहों के लिए भी अवसर बनने की संभावना है।

रोजगार के अवसर भी तैयार होंगे। उन्होंने कहा, मछली के लिए एक लाख केज कलचर का भी लक्ष्य है। सीएम ने कहा, बिहार ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह के प्रयासों से

ब्लू क्रांति की ओर कदम बढ़ाए हैं। मध्यप्रदेश में जलराशि के मामले में बहुत समृद्ध है। यहां भी ब्लू क्रांति की दिशा में प्रदेश कदम बढ़ा रहा है।

भोपाल मास्टर प्लान-2047: छुट्टी के दिन भी आवेदन काउंटर खोलने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल विकास योजना 2047 के ड्राफ्ट पर आम नागरिकों की आपत्तियाँ और सुझाव दर्ज कराने के लिए क्रेडाई भोपाल ने 24 और 25 अक्टूबर को भी विशेष आवेदन काउंटर खुले रखने की मांग की है। संगठन ने हर आवेदन की रसीद देने और ऑनलाइन पोर्टल व ईमेल व्यवस्था सुचारु रखने का आग्रह किया है।

क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक ने संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश

और जिला कार्यालय भोपाल को आवेदन भेजकर अंतिम दिनों में नागरिकों को होने वाली संभावित परेशानियों से बचाने के लिए जरूरी इंतजाम करने की मांग की है। संगठन के अनुसार मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रकाशित योजना के ड्राफ्ट पर आपत्ति-सुझाव देने की 30 दिन की अवधि 25 अक्टूबर को पूरी हो रही है। क्रेडाई ने दोनों दिन कर्मचारियों के साथ काउंटर संचालित करने तथा उनका पता, समय और संपर्क अधिकारी की जानकारी देने की मांग की है।

भारत को पैरा एशियन गेम्स में आज आधा दर्जन गोल्ड

» शूटर मोना को दूसरा स्वर्ण, हनी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

नागोया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स के 5वें दिन आज 6 गोल्ड मेडल जीत लिए हैं। इससे उसके 27 गोल्ड मेडल हो गए हैं। सुबह पहला गोल्ड हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने रिकर्व आर्चरी में दिलाया। फिर नीतेश कुमार और नवीन शिवकुमार ने बेंडमिंटन में एक-एक स्वर्ण जीते। एथलेटिक्स में हनी जेवलिन थ्रो और सदीप 100 मीटर दौड़ में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ एशियन चैंपियन बने। शूटर मोना अग्रवाल ने दूसरा स्वर्ण पदक जीता। इंडिया को आज 6 गोल्ड, 7 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज सहित 15 मेडल मिल चुके हैं। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर आ गया है। उसके पास कुल 103 मेडल हैं।



आज का कार्टून

चंडीगढ़ में दूध के नमूनों में मिले माइक्रोप्लास्टिक के कण



आरटीआई से खुलासा

चुनाव आयोग के अफसर पर बिना चर्चा किए फैसले लेने का आरोप

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के अधिकारियों के कामकाज को लेकर फिर सवाल उठे हैं। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में दिए गए दस्तावेजों में बताया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त मनीष गर्ग के खिलाफ कैबिनेट सचिवालय में शिकायत की थी। जानकारी रिटायर्ड कोमोडोर लोकेश के. बत्रा ने मांगी थी। आरोप था कि मनीष गर्ग ने चुनाव आयोग या संबंधित अधिकारियों से चर्चा किए बिना वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज का बंटवारा बदलने का आदेश जारी किया। आरटीआई के जवाब में बताया गया कि कैबिनेट सेक्रेटरी कार्यालय की ओर 3 अगस्त की फाइल नोटिंग में कहा गया कि शिकायतें दोनों आयुक्तों ने व्यक्तिगत रूप से भेजी थीं, न कि पूरे चुनाव आयोग की ओर से। ऐसे में कार्रवाई को संवैधानिक संस्था के कामकाज में हस्तक्षेप माना जा सकता था।



चीन से टकराव बरकरार

डीजी बोले- अरुणाचल में झड़पें जारी, तकनीक में चीन हमसे आगे

अलवर। आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि सैन्य ताकत और तकनीक में चीन हमसे कहीं आगे है। जुलाई के अंत से ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है। शत्रुजीत ने गुरुवार को राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में यह बयान दिया। शत्रुजीत ने कहा कि भारत में हुए 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शी जिनिपिंग के भाग लेने और जुलाई के बाद दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकों (WMCC, विशेष प्रतिनिधि वार्ता, कोर कमांडर स्तर) के बावजूद तनाव बरकरार रहा।



पाक-अफगान में भी झटके

तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप 16 की मौत, 54 घायल

ल्हासा। तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप आया है। भारतीय समयानुसार गुरुवार देर रात भूकंप के झटके महसूस हुए। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हो गए। इसका केंद्र तिब्बत की राजधानी ल्हासा से करीब 400 किलोमीटर दूर तिब्बत के नागकू क्षेत्र में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र के मुताबिक भूकंप के झटके स्थानीय इलाके में साफ महसूस किए गए। वहीं, पाकिस्तान में 4.9 और अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं।



पिछली बार से ली सीख, मां की विदाई के बाद ही जलस्रोत को प्रदूषण से बचाने घाटों की सफाई

भोपाल। नगर निगम ने पिछले साल के दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन में हुई गलतियों से इस बार सीख ली है। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद प्रेमपुरा घाट पर सफाई का दौर शुरू हो गया है। घाट पर जमा पूजन सामग्री, फूल-मालाओं और अन्य कचरे को हटाने के लिए मशीनों की मदद ली जा रही है। विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से घाट पर जमा हुए अवशेषों को हटाकर परिसर को साफ किया जा रहा है। प्रतिमा विसर्जन के बाद घाट की सफाई करना हर साल एक अहम जिम्मेदारी रहती है। इससे पहले भी दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के बाद प्रेमपुरा घाट पर सफाई अभियान चलाए जाते रहे हैं। 2025 में विसर्जन के बाद भी घाटों पर कचरा जमा था। लोगों की आपत्तियों के बाद सफाई की थी।



न्यूज विंडो

घर में झूला झूलते समय साड़ी से लगे फंदे में बच्चे का दम घुटा, मौत

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र के चंदन नगर में घर में साड़ी के उलझने से झूला झूलते समय 10 वर्षीय तेजस्वी वामदेव की मौत हो गई। बच्चे को इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन जान नहीं बच सकी। पुलिस के अनुसार, पिता लवकुश मजदूरी करते हैं, मां पास की फैक्ट्री में झाड़ू बनाने का काम करती है। तेजस्वी छह वर्षीय बहन के साथ घर में था। खेलते समय साड़ी रस्सी के फंदे में उलझ गई, जिससे दम घुटने लगा। उसे तड़पता देख बहन ने शोर मचाया। मां और रिश्तेदार पहुंचे, अस्पताल ले गए, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

कर्नाटक एक्सप्रेस से गिरा युवक, बड़े तालाब में मिला पुराना शव

भोपाल। मिसरोद थाना पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह करीब नौ बजे रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिला। आधार कार्ड से उसकी पहचान बिहार के गोपालगंज निवासी प्रभु यादव (30), पिता लल्लन यादव के रूप में हुई। वह अपने भाई बबलू यादव के साथ आंध्र प्रदेश के गुंतकल जंक्शन से कर्नाटक एक्सप्रेस में बिहार जा रहा था। दोनों को इटारसी में ट्रेन बदलनी थी, लेकिन नौद के कारण स्टेशन पर नहीं उतर सके। प्रभु कोच के दरवाजे के पास खड़ा था, तभी झटका लगने से वह चलती ट्रेन से गिर गया। भाई को घटना का पता बीना पहुंचने पर नौद खुलने के बाद चला। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

भाजपा प्रवक्ता योगेश गुप्ता को पार्टी पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं



भोपाल। भाजपा प्रवक्ता योगेश गुप्ता के जन्मदिन पर पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी वृजोगोपाल लोथा, सह प्रभारी पवन दुबे और सुमित रघुवंशी उनके निवास पहुंचे। सभी ने गुप्ता को जन्मदिन की बधाई दी।

अस्पतालों में अब मरीजों के इलाज के लिए बड़ेगा स्टाफ

सीएमएचओ ने खत्म किए अटैचमेंट, 68 डॉक्टर-कर्मचारियों को मूल पद पर लौटने के आदेश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अपनी मूल पदस्थापना से इतर दूसरे संस्थानों में काम कर रहे शहर के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्र के दवा वितरण कर्मचारियों का अटैचमेंट स्वास्थ्य विभाग ने खत्म कर दिया। सीएमएचओ ने 53 कर्मचारियों और 15 डॉक्टरों के अटैचमेंट खत्म कर उन्हें मूल पदस्थापना पर लौटने के आदेश जारी किए हैं। नेत्र सहायक प्रहलाद प्रजापति सीएमएचओ ऑफिस में काम कर रहे थे। कोलार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की फार्मासिस्ट ग्रेड-2 पूजा अंसिया सिविल डिस्पेंसरी, 1100 क्वार्टर में काम कर रही थीं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, धरमरी के फार्मासिस्ट राजेंद्र उड्के डॉ. केएनके चिकित्सा महाविद्यालय में कार्यरत थे।

पूर्वोत्तर की यात्रा करने वालों को राहत

अब रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन नियमित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पूर्वोत्तर की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अब नियमित एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। रेलवे ने ट्रेन को नियमित करने का निर्णय लिया है। इससे पूर्वोत्तर के राज्यों तक जाने की सुविधा मिलेगी। ट्रेन नंबर 11665/11666 के साथ चलेगी। ट्रेन नंबर 11665 रानी कमलापति से हर गुरुवार चलेगी। कल से इसकी शुरुआत हो गई। जबकि ट्रेन नंबर 11666 अगरतला से 25 अक्टूबर से हर रविवार चलेगी।

यह ट्रेन मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा को रेल मार्ग से जोड़ेगी। अपने सफर में यह नर्मदापुरम, इटारसी,



ट्रेन में कुल 22 कोच, इनमें 8 स्लीपर, 5 थर्ड एसी

ट्रेन में कुल 22 एलएचबी कोच रहेंगे। इनमें 8 स्लीपर, 2 सेकेंड एसी, 5 थर्ड एसी, 1 थर्ड एसी इकोनॉमी और 4 सामान्य श्रेणी के कोच शामिल हैं।

पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिक्की, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, कटिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, गुवाहाटी, बदरपुर जंक्शन और धर्मनगर सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी।

एनजीटी के आदेश पर सर्वे: कई जगह मिट्टी-मलबा डालकर स्वरूप बदला

केरवा डैम के एफटीएल में कई निर्माण, कई मुनारें भी गायब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

केरवा डैम के फुल टैंक लेवल यानी एफटीएल की सीमा अब कागजों के बजाय जमीन पर तलाशने की कवायद शुरू हो गई है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के बाद करीब पांच घंटे तक केरवा क्षेत्र में ग्राउंड टूथिंग की गई। सर्वे के दौरान एफटीएल से 50 मीटर के दायरे में कई निर्माण चिह्नित किए गए। पुराने निर्माणों के साथ नए निर्माण भी सामने आने की जानकारी है। ग्राउंडटूथिंग के दौरान तय किए गए बिंदुओं का मौके पर भौतिक सत्यापन किया गया। हालांकि सर्वे टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती एफटीएल की वास्तविक सीमा को लेकर रही।

टीम को कई स्थानों पर सीमांकन के लिए लगाई गई मुनारें तक गायब मिलीं, जबकि कुछ हिस्सों में मिट्टी और मलबा डालकर जमीन का स्वरूप बदल दिया गया है। सर्वे के दौरान यह भी सामने आया कि बारिश के दौरान केरवा डैम से पानी का बहाव नहीं रोका गया। इसके कारण जलस्तर एफटीएल तक नहीं पहुंच सका। पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान का कहना है कि एफटीएल की कई मुनारें गायब हैं, कई जगह मिट्टी और मलबा डालकर भू-भाग को बदल दिया गया है। ऐसे में पुराने दस्तावेजों और मौके की स्थिति का मिलान जरूरी है। बता दें, केरवा व कलियासोत जलाशय में अतिक्रमण को लेकर 4 साल से मामला चल रहा है।



कब क्या हुआ, कहां पहुंची जांच

- 2022-23 : केरवा व कलियासोत जलाशय क्षेत्र में अतिक्रमण और निर्माण की शिकायतें एनजीटी पहुंचीं। केरवा क्षेत्र में 33 निर्माण चिह्नित किए।
- 2024 : जलाशय के आसपास निर्माण, हरित क्षेत्र, पर्यावरणीय स्थिति को लेकर एनजीटी में सुनवाई। वास्तविक स्थिति की जांच के लिए विभागों से रिपोर्ट तलब।
- 2025 : केरवा के एफटीएल क्षेत्र में मिट्टी, मुरम-मलबा डालकर जमीन का स्तर बढ़ाने

की शिकायतें आईं। एनजीटी ने एजेंसियों को जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए।

- 2026 : अब एफटीएल की वास्तविक सीमा तय करने पर केंद्रित है। पुराने नक्शों और मौके की स्थिति में अंतर होने से नया सीमांकन।
- सितंबर 2026 : जलस्तर एफटीएल तक नहीं पहुंचने से सीमांकन प्रभावित। सवाल उठा कि ऐसे में दिख रही जमीन को एफटीएल की वास्तविक सीमा कैसे माना जाए।

पहल: मरीजों के भारी दबाव से मिलेगी राहत

शासकीय आयुर्वेद संस्थान में एआई का ट्रायल, डॉक्टरों को इलाज में मदद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वाशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान में डॉक्टरों को इलाज की बेहतर योजना बनाने में सहयोग देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का परीक्षण शुरू किया गया है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इस पहल का मुख्य उद्देश्य रोजाना आने वाले मरीजों के भारी दबाव को सुचारु रूप से संभालना है।

संस्थान के आईटी सेल द्वारा एक विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। यह सॉफ्टवेयर मरीज के लक्षणों, ब्लड रिपोर्ट्स, पुरानी मेडिकल हिस्ट्री और नाड़ी परीक्षण के डेटा का विश्लेषण कर व्यक्तिगत आयुर्वेदिक उपचार के विकल्प सुझाएगा। इन सुझावों में काढ़ा

रोज 800 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं ओपीडी

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि रोजाना ओपीडी में 800 से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। मरीजों की पुरानी रिपोर्ट्स का विस्तृत विश्लेषण करने में काफी समय लगता है। एआई के इस्तेमाल से इस प्रक्रिया में तेजी आएगी और डॉक्टरों का समय बचेगा। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) उमेश शुक्ला के अनुसार, दो सिस्टम पर ट्रायल जारी है और एआई-सक्षम मशीनों की खरीद की प्रक्रिया चल रही है।

(कषायम), जड़ी-बूटियाँ, भस्म, पंचकर्म प्रक्रियाएं और योग शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इलाज का अंतिम निर्णय संबंधित डॉक्टर का ही होगा।



मांग...उपलब्धता के आधार पर हो परमिट बुकिंग की सुविधा

इस संबंध में स्थानीय गाइड और वाहन चालकों ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और रातापानी के ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल की व्यवस्था में बदलाव की मांग की है। उनका कहना है कि वन विभाग को इसकी समीक्षा करनी चाहिए। उनका तर्क यह है कि रातापानी में खाली सीटों और वाहनों की उपलब्धता के आधार

पर सफारी के लिए समय के करीब तक की परमिट बुकिंग करने की व्यवस्था बनाई जाए। इससे कोई भी सीट खाली नहीं रहेगी। गाइड और सफारी के काम में जुटे लोगों को नुकसान भी नहीं होगा और पर्यटक रिजर्व का आनंद भी ले सकेंगे। इससे उनका कारोबार भी अच्छा होगा।

830 उच्च श्रेणी शिक्षक व्याख्याता बनने से छूट गए

रोस्टर ऐसी गड़बड़ी कि 88 शिक्षक बन गए हाईस्कूल के प्राचार्य!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लोक शिक्षण संचालनालय की पदोन्नति प्रक्रिया में हुई गड़बड़ी की कीमत 830 उच्च श्रेणी शिक्षकों को चुकानी पड़ रही है। उच्च श्रेणी शिक्षक से व्याख्याता पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया दो दशक से उलझी हुई है। वहीं, इसी पदोन्नति सूची में रोस्टर संबंधी गड़बड़ी के बावजूद 88 शिक्षक व्याख्याता बने और आगे पदोन्नति पाकर हाईस्कूल प्राचार्य तक पहुंच गए। इससे पात्रता पूरी करने के बाद भी पदोन्नति से वंचित शिक्षकों में असंतोष है। मामला वर्ष 2007 में तैयार की गई विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की प्रक्रिया से जुड़ा है। 17 सितंबर 2008 को जारी सूची में करीब 800 नाम थे। आपत्तियों के बाद 1 अगस्त 2009, 18 जनवरी 2012 और 12 दिसंबर 2014 को पुनरीक्षित डीपीसी की गई। इससे सूची में नाम बढ़कर 1500 हो गए।

वर्ष 2015 में पदांकन की प्रक्रिया के दौरान रोस्टर के पालन में गड़बड़ी सामने आई। आरोप है कि राजनीति शास्त्र के 84 और अर्थशास्त्र के चार अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षकों को नियमों के विपरीत पदोन्नति दी गई। तत्कालीन लोक शिक्षण आयुक्त ने नोटशीट में संबंधित 88 शिक्षकों को रोककर शेष की पदांकन सूची जारी करने की बात लिखी थी। इसके



प्रभावित शिक्षक पात्रता के आधार पर कर रहे मांग

प्रभावित शिक्षक अब वर्ष 2015 से पात्रता के आधार पर पुनरीक्षित डीपीसी कर पदोन्नति देने की मांग कर रहे हैं। राज्य कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष शिववीर सिंह भदौरिया ने 3 अक्टूबर 2015 की डीपीसी के आधार पर पुनरीक्षित प्रक्रिया कर पात्र शिक्षकों को उसी तारीख से पदोन्नति देने की मांग की है। उन्होंने जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सचिव डॉ. संजय गोयल और लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह को ज्ञापन दिया है।

बावजूद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। वर्ष 2016 में पदोन्नतियों पर न्यायालयीन रोक लगने के बाद मामला और उलझ गया। शिक्षक राकेश दुबे का कहना है कि पदोन्नति में वर्षों की देरी से शिक्षकों के कैरियर और सेवाकालीन लाभ प्रभावित होते हैं। विभाग को लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण कर पात्र शिक्षकों को उनका अधिकार देना चाहिए।

आग लगने के कारणों की हो रही जांच

जहांगीराबाद थाने में खड़ी पुरानी गाड़ियों में लगी आग, 5 वाहन खाक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना परिसर में अचानक भीषण आग लग गई। इसमें थाने में खड़े चार से पांच पुराने और कबाड़ वाहन जलकर खाक हो गए। किसी जनहानि की खबर नहीं है। पुलिसकर्मियों और दमकल की मदद से आग पर समय रहते काबू पा लिया। आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार, थाना परिसर के एक हिस्से में लंबे समय से जब्त किए गए और खराब पड़े कबाड़ वाहन खड़े थे। यहां आसपास सूखी घास और झाड़ियां भी उगी हुई थीं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आग शॉर्ट सर्किट, किसी तकनीकी खराबी या फिर किसी अन्य वजह से लगी।



जहांगीराबाद पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

रातापानी टाइगर रिजर्व में शाम 5 बजे बंद हो जाती है ऑफलाइन बुकिंग

मेट्रो एंकर

सीटें खाली, फिर भी सफारी के लिए पर्यटकों को जगह नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रातापानी टाइगर रिजर्व में ऑनलाइन सफारी बुकिंग की समय सीमा पर्यटकों की परेशानी बढ़ाने लगी है। रिजर्व में अगले दिन की सफारी के लिए ऑनलाइन बुकिंग एक दिन पहले शाम 5 बजे ही बंद हो जाती है। इसके बाद भी सीटें खाली होने के बाद बावजूद पर्यटकों को सफारी का मौका नहीं मिल पा रहा है। हालांकि वन विभाग का दावा है कि पर्यटक गेट पर पहुंचकर ऑनलाइन बुकिंग कर सफारी कर सकता है। लेकिन इन सभी दावों के बाद भी पर्यटकों को सफारी करने का मौका नहीं मिल रहा। इससे जहां पर्यटन प्रभावित हो रहा है, वहीं दूरस्थ इलाकों से आने वाले पर्यटकों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है।

अभी शाम 7 या 8 बजे तक सफारी का आनंद लेने की योजना बनाने वाले पर्यटकों को इसका फायदा नहीं मिल रहा है। उनके लिए ऑनलाइन पोर्टल पर ऑफलाइन बुकिंग का विकल्प ही बंद हो जाता है। वे रिजर्व के गेट तक पहुंच जाते हैं। सफारी के लिए सीटें भी उपलब्ध होती हैं, लेकिन इसके बाद भी उन्हें इसका फायदा नहीं मिल पाता। मजबूरन उन्हें बिना सफारी किए ही लौटना पड़ रहा है। इसे क्षेत्र में पर्यटन के कारोबार पर असर पड़ रहा है। इसमें बदलाव होना चाहिए।

ऑफलाइन भी हो बुकिंग

स्थानीय गाइड और गाइडर सोनू असार का कहना है कि वन विभाग ने खाली सफारी के लिए ऑफलाइन बुकिंग बंद कर दी है। इससे पर्यटक लौट जाते हैं। यह सुविधा शुरू होना चाहिए। हम लोगों की आय का जरिया यही पर्यटक हैं, जबकि ऑफलाइन की व्यवस्था सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में जारी है। वहीं, पीसीसीएफ डॉ. समीता राजोरा का कहना है कि सभी टाइगर रिजर्व में बची हुई सफारी की बुकिंग के लिए नई व्यवस्था शुरू की गई है। यदि सुबह या शाम की सफारी किए ही लौटना पड़ रहा है। इसे क्षेत्र में पर्यटन के कारोबार पर असर पड़ रहा है। इसमें बदलाव होना चाहिए।



मध्यप्रदेश में विकास और निवेश को मिलेगी नई रफ्तार, सीएम का ऐलान

महाकौशल से मालवा तक विकास को मिलेगा बढ़ावा

जबलपुर-इंदौर कॉरिडोर खोलेगा प्रगति के नए द्वार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के साझा प्रयासों से मध्यप्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। प्रदेश में औद्योगिक विस्तार, निवेश संवर्धन और रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्वालियर को टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग सेक्टर का प्रमुख केंद्र बनाने की पहल और जबलपुर-इंदौर आर्थिक कॉरिडोर राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे। फेडरेशन ऑफ एमपी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के दो दिवसीय विकासित भारत उद्योग व्यापार सम्मेलन में विभिन्न उद्यमियों ने प्रदेश में 7500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि महाकौशल और मालवा को जोड़ने वाला आर्थिक कॉरिडोर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं पैदा करेगा। इस कॉरिडोर के मध्य स्थित रायसेन जैसे जिलों को भी लाभ मिलेगा।

टाई साल में 12 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में टाई वर्ष के दौरान 12 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतारे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पारदर्शी औद्योगिक नीतियों और निवेश के अनुकूल वातावरण के कारण उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने में सुविधा मिल रही है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिदिन निवेश संवर्धन से जुड़ी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि निवेश का लाभ प्रदेश के सभी क्षेत्रों और वर्गों तक पहुंचे। डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग और व्यापार जगत समाज में आर्थिक समृद्धि लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्यमियों के निवेश से लाखों परिवारों की आजीविका चलती है।

मध्यप्रदेश के औद्योगिक मॉडल बने दूसरे राज्यों की पसंद

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन और रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव की पहल से प्रदेश में निवेश की संभावनाएं बढ़ी हैं। मध्यप्रदेश के क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन मॉडल को अन्य राज्य भी अपना रहे हैं। उन्होंने बीना में डाउनस्ट्रीम रिफाइनरी परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी इस परियोजना के माध्यम से भविष्य में प्रतिवर्ष 22 लाख टन से अधिक पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उत्पादन की संभावना है। इससे प्रदेश के साथ देश के औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी।

निवेशकों के विश्वास से मजबूत होगा औद्योगिक वातावरण

सम्मेलन में एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। रीजनल डेवलपमेंट प्लान और मेट्रोपॉलिटन एरिया जैसी पहलों से विकास को नई दिशा मिल रही है। दो दिवसीय सम्मेलन में फेडरेशन से जुड़े लगभग एक दर्जन संगठनों के सैकड़ों उद्यमी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने फेडरेशन द्वारा प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों और प्रकाशनों का विमोचन भी किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उद्योग, व्यापार और सरकार के समन्वित प्रयासों से मध्यप्रदेश विकास और रोजगार के नए अवसरों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

शिक्षकों को राहत देने पर मंथन

शिक्षक पात्रता परीक्षा पर जल्द बैठक करेंगे सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल्द ही स्कूल शिक्षा विभाग के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में शिक्षकों को अधिक से अधिक राहत देने, विभागीय नीतियों और अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की मांगों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही आंदोलन समाप्त कराने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासनों पर अमल की दिशा में भी विचार किया जाएगा। शिक्षक पात्रता परीक्षा से जुड़े मामले में राज्य सरकार की आगामी रणनीति को लेकर शिक्षकों की निगाहें इस बैठक पर टिकी हैं। बैठक में अधिकारियों द्वारा कानूनी और नीतिगत पहलुओं की जानकारी मुख्यमंत्री के सामने रखे जाने की संभावना है।

मुख्यमंत्री की प्रस्तावित समीक्षा बैठक की तैयारियों के सिलसिले में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने गुरुवार को विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव संजय गोयल, लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्ययोजना तैयार

नियुक्ति दिनांक से सेवा गणना की मांग पर नजर

शिक्षकों की प्रमुख मांगों में नियुक्ति दिनांक से सेवा की गणना का मामला भी शामिल है। इस विषय पर सरकार नीतिगत निर्णय ले सकती है। हालांकि, इस संबंध में अंतिम निर्णय और उसकी समयसीमा को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बता दें कि मुख्यमंत्री ने बुधवार को विभाग के 954 दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को सहायक ग्रेड-3 के पदों पर अनुकंपा नियुक्ति के पत्र वितरित किए थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में जल्द ही 20 हजार शिक्षकों के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की बात भी कही थी। इससे शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को उम्मीद बंधी है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात के बाद विभिन्न मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर अपना आंदोलन समाप्त किया था।

करने के निर्देश दिए। इसमें शिक्षक पात्रता परीक्षा से संबंधित मुद्दों के साथ शिक्षकों की सेवा संबंधी मांगों पर भी विचार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य बीमा और पेंशन पर भी होगी चर्चा

शिक्षकों की मांगों में कैंसलस स्वास्थ्य बीमा योजना तत्काल लागू करना और सेवाकाल में शिक्षक की मृत्यु होने पर उनके परिवार को 30 मार्च 2021 से प्रभावी परिवार पेंशन योजना का लाभ देना भी शामिल है। इसके अलावा, ई-अटेंडेंस व्यवस्था में मौजूद विसंगतियों को दूर करने की मांग पर भी सुधार का आश्वासन दिया गया था। अब मुख्यमंत्री की प्रस्तावित बैठक में इन मुद्दों पर आगे की कार्ययोजना तय होने की उम्मीद है। हालांकि, शिक्षकों को वास्तविक राहत कितनी मिलेगी, यह बैठक के बाद होने वाले निर्णयों और उनके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा।

भूजल नीति, 70 शहरों में जल संकट की चेतावनी पर हाईकोर्ट सख्त



इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में भूजल संरक्षण को लेकर मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने राज्य शासन से अहम सवाल किया है। कोर्ट ने शासन से पूछा है कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में तैयार की गई भूजल नीति को लागू करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। अदालत ने राज्य शासन को अगली सुनवाई पर इस संबंध में अपनी स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी। भूजल संरक्षण से जुड़े इस मामले में लंबे समय से प्रभावी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पांच साल बाद भी नीति के



क्रियान्वयन पर जवाब का इंतजार- मामले की सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पैरवी कर रहे वकील ने अदालत को बताया कि याचिका पर पिछली सुनवाई सितंबर 2021 में हुई थी। इस दौरान करीब पांच वर्षों में कई बदलाव हो चुके हैं, इसलिए शासन को मामले में जवाब प्रस्तुत करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। कोर्ट

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

भोपाल। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशन में प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में सलिस नेटवर्क को ध्वस्त करने, अवैध खेती एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा मादक पदार्थों के कारोबार में सलिस व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में झाबुआ पुलिस ने अवैध गांजा खेती के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए थाना कालीदेवी एवं थाना पेटलावद क्षेत्र में दो अलग-अलग प्रकरणों में कुल 607.09 किलोग्राम गांजा जप्त किया है। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 60 लाख 30 हजार 825 रुपये है।

काली दीपावली मनाएंगे कर्मचारी

केंद्र के बराबर महंगाई भत्ता नहीं मिलने पर कर्मचारियों में अक्रोश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के कर्मचारी राज्य सरकार द्वारा महंगाई भत्ता और महंगाई राहत देने में देरी के विरोध में इस साल काली दिवाली मनाएंगे। कर्मचारियों का कहना है कि केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को 1 जनवरी से 60व महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दे रही है, लेकिन मध्यप्रदेश में 10 महीने से उनकी अनदेखी की जा रही है। यहां कर्मचारियों को अभी 58व ही महंगाई भत्ता और महंगाई राहत मिल रही है। वहीं, केंद्र सरकार दिवाली से पहले अपने कर्मचारियों के भत्ते की राशि फिर बढ़ाने की तैयारी में है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि पिछले 10 महीने में कई त्योहार निकल गए और अब दिवाली आने वाली है, लेकिन सरकार ने महंगाई भत्ता और महंगाई राहत को लेकर अब तक घोषणा नहीं की है। तिवारी ने सरकार के खर्च पर सवाल उठाते हुए कहा कि कर्मचारियों को 2व महंगाई भत्ता बढ़ाने और 10 महीने का एरियर देने पर सरकार पर करीब 700 करोड़ रुपए का भार आएगा। वहीं, सरकार हर महीने 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों को 1834 करोड़ रुपए दे रही है। तिवारी ने कहा, ये बहनें कोई काम भी नहीं कर रही हैं, सिर्फ योजना में पंजीयन के बदले राशि हर माह दी जा रही है। महंगाई सबके लिए बराबर है, तो महंगाई भत्ता बराबर क्यों नहीं? केंद्र बोनास दे रहा है और यहां कर्मचारी जनवरी से इंतजार कर रहे हैं। यहां तो 700 करोड़ में साढ़े सात लाख कर्मचारी और साढ़े 4 लाख पेंशनर्स के परिवारों का भला हो जाएगा।:-



केंद्र बोनास दे रहा, एमपी में महंगाई राहत का इंतजार

तिवारी ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को बोनास दे रही है, वहीं मध्यप्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को 58व से 60व महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दी जा चुकी है। दूसरी ओर, प्रदेश के बाकी कर्मचारियों की अनदेखी से उनमें आक्रोश है। इसी को लेकर आज शासकीय केंद्रीय मुद्रणालय के डाक भवन के सामने सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने महंगाई भत्ता और महंगाई राहत के आदेश जनवरी 2026 से लागू करने

की मांग की। तिवारी ने कहा कि दिवाली से पहले 2व महंगाई भत्ता और महंगाई राहत नहीं दी गई, तो काली दिवाली मनावा मजबूरी होगी। प्रदर्शन में तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के संरक्षक मोहन अय्यर, एलएन कैलाशिया, एसएस राजक, कोषाध्यक्ष एसएल पंजवानी, महामंत्री उमाशंकर तिवारी और मध्यप्रदेश वाहन चालक यांत्रिकी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष साबिर खान सहित विभिन्न विभागों के समिति अध्यक्ष शामिल रहे। सभी ने महंगाई भत्ता और राहत तत्काल देने की मांग की।

जरूरी चीजें महंगी, कर्मचारियों का बजट बिगड़ा

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में 850 अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों यानी आईएएस, आईपीएस और आईएफएस को केंद्र की तारीख से 2व महंगाई भत्ता दे दिया गया, लेकिन बाकी कर्मचारियों को इससे वंचित रखा गया है। पदाधिकारियों के मुताबिक, इन अधिकारियों को कर्मचारियों के मुकाबले ज्यादा वेतन मिलता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मार्च से जून के बीच घरेलू गैस 100 रुपए महंगी कर चुकी है। मई में चार बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े। दूध, चावल, शक्कर और दाल के दाम भी बढ़े हैं। इससे कर्मचारियों का बजट गड़बड़ा गया है। पदाधिकारियों का कहना है कि घर का बिगड़ा बजट संतुलित करने के लिए सरकार कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और महंगाई राहत नहीं दे रही है।

मध्यप्रदेश में नशे के नेटवर्क पर होगा निर्णायक प्रहार

तीन साल में ड्रग माफिया का पूरा रैकेट खत्म करने का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए राज्य सरकार अब व्यापक और समन्वित अभियान चलाएगी। आगामी दो से तीन वर्षों में अवैध मादक पदार्थों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए पुलिस, नार्कोटिक्स, शिक्षा, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य और अन्य संबंधित विभाग मिलकर कार्रवाई करेंगे। मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने गुरुवार को मंत्रालय में आयोजित पांचवीं राज्य स्तरीय एनसीओआरडी बैठक में अधिकारियों को त्रि-वर्षीय विशेष अभियान की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

शिक्षण संस्थानों में गठित

हॉंगी एटी ड्रग समितियां

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि 500 से अधिक विद्यार्थियों वाले शासकीय और अशासकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग समितियां गठित की जाएं। इनमें शिक्षक, पालक, विद्यार्थी, उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय विभाग के प्रतिनिधि और पुलिस शामिल होंगे। समितियों का नोडल अधिकारी स्थानीय थाने का बीट इंचार्ज रहेगा। नशे से जुड़ी सूचना देने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

मेट्रो एंकर

2.60% लॉस के साथ एमपी ट्रांसको को दूसरी बार राष्ट्रीय अवॉर्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिजली ट्रांसमिशन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर अपनी तकनीकी दक्षता और बेहतर कारप्रणाली का लोहा मनवाया है। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को वेस्टर्न रीजन में सबसे कम 2.60 प्रतिशत ट्रांसमिशन लॉस दर्ज करने के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कंपनी को यह सम्मान लगातार दूसरे वर्ष मिला है। इस उपलब्धि को प्रदेश की मजबूत विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था और निरंतर तकनीकी सुधारों का परिणाम माना जा रहा है।



ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई, तकनीकी दक्षता को बताया उपलब्धि का आधार

ऊर्जा मंत्री तोमर ने इस उपलब्धि पर एमपी ट्रांसको के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा

कि यह सम्मान प्रदेश की सुदृढ़ विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था, तकनीकी दक्षता, नवाचार और लगातार सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाता है।

मंत्री ने कहा कि ट्रांसमिशन लॉस

बिजली ट्रांसमिशन में मध्यप्रदेश का दबदबा!

पांच राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में बेहतर प्रदर्शन

वेस्टर्न रीजन में मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ और गोवा शामिल हैं। इस क्षेत्र में केंद्रशासित प्रदेश दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली भी आते हैं। ऐसे व्यापक क्षेत्र में सबसे कम ट्रांसमिशन लॉस दर्ज करना एमपी ट्रांसको के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लगातार दूसरी बार सम्मान मिलने से प्रदेश की विद्युत ट्रांसमिशन व्यवस्था की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। राष्ट्रीय पावर लाइन ट्रांसटेक इंडिया अवॉर्ड भारतीय विद्युत ट्रांसमिशन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया जाता है। यह पुरस्कार भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से मान्यता प्राप्त मंच के तहत प्रदान किया जाता है। इसे पावर सेक्टर की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका पावर लाइन ने स्थापित किया है।

को न्यूनतम रखते हुए उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। एमपी ट्रांसको का लगातार दूसरे वर्ष यह पुरस्कार हासिल करना कंपनी की

कार्यक्षमता और बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयासों को रेखांकित करता है। कंपनी की ओर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता आरसी शर्मा और वसंत कर्नाड ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

रबह की पहली किरण धरती को छूने से पहले ही पेड़ों की डालियों पर एक अनोखा संगीत गुंजने लगता है। कहीं कोयल की कूक, कहीं गौरैया की चहचहाहट और कहीं किसी अनजान पक्षी की मधुर पुकार। साहित्यकारों ने सदियों से इस कलरव में प्रेम, उल्लास और नई शुरुआत के अर्थ खोजे हैं। लेकिन इस सुरीली कविता के पीछे विज्ञान की ऐसी कहानी भी है, जो बताती है कि पक्षियों का संगीत केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि जीवन जीने की रणनीति भी है। जून 2025 में कॉर्नेल लैब ऑफ ऑर्निथोलॉजी और भारत के प्रोजेक्ट ध्वनि से जुड़े शोधकर्ताओं ने पक्षियों के सुबह गाने

के व्यवहार का अध्ययन किया। वर्षावनों की ध्वनि रिकॉर्डिंग के विश्लेषण से पता चला कि कम रोशनी में भोजन तलाशना कठिन होता है। ऐसे में पक्षी इस समय का उपयोग अपने क्षेत्र की पहचान जताने और साथी को आकर्षित करने के लिए करते हैं। जिस आवाज को मनुष्य सुबह की मधुरता समझता है, वह पक्षियों के संसार में संवाद और अस्तित्व का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। अध्ययन का दिलचस्प पहलू पक्षियों की आंखों और उनके गायन के समय का संबंध है। रॉबिन और श्रशर जैसे बड़ी आंखों वाले पक्षी कम

भोर का कलरव

उजाले में भी अपेक्षाकृत बेहतर देख सकते हैं, इसलिए वे जल्दी गाना शुरू कर देते हैं। इसके विपरीत, गौरैया और कबूतर जैसे पक्षी पर्याप्त रोशनी होने पर सक्रिय होते हैं। इस तरह सुबह का संगीत भी सूर्योदय के साथ पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ता है। अरुणाचल प्रदेश में शुरू होने वाला कलरव लगभग दो घंटे बाद गुजरात में सुनाई दे सकता है। मानो प्रकृति ने समय बताने के लिए घड़ियों से पहले ही अपना संगीत रच दिया हो। फ़िलॉसॉफिकल ट्रांजैक्शंस ऑफ द रॉयल सोसाइटी बी में प्रकाशित शोध में पश्चिमी घाट पर 69 पक्षी प्रजातियों की

आवाजों का विश्लेषण किया गया। एशियाई कोयल उन पक्षियों में शामिल है, जो सूर्योदय से पहले ही गाना शुरू कर देती है। इस दिशा में विकसित तकनीकों से भारत की पहली ओपनएक्सेस क्राउडसोर्सड ध्वनि लाइब्रेरी तैयार की गई है। इसमें 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 518 प्रजातियों की लगभग 5,815 मिनट की रिकॉर्डिंग शामिल है। इनका उपयोग पक्षियों की आवाज पहचानने वाले एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने में हो रहा है। आज पेड़ों की कटाई और ध्वनि प्रदूषण के बीच यह शोध याद दिलाता है कि प्रकृति का संगीत बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

फ्रांस समेत कई योरोपीय देशों में हड़कंप, अराजकता के हालात

डॉ. सुधीर सक्सेना

वरिष्ठ पत्रकार



फ्रांस समेत योरोप के अनेक देशों में खतरे की घंटी लगातार घनघना रही है। फ्रांस जल रहा है। क्या पेरिस, क्या मार्सेल्ल, क्या बोर्दों, लीले या नीस या ल्यों सर्वत्र अशांति और अराजकता व्याप्त है। छात्रों से शुरू आंदोलन ने सरकारी नीतियों, बदतर सार्वजनिक सेवाओं और रोजमर्रा की दुशवारियों से त्रस्त नागरिकों को अपनी चपेट में ले लिया है। यह आंदोलन अब फ्रांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उसने इर्दगिर्द सर्बिया, अल्बानिया, बेल्जियम, पुर्तगाल, इटली और स्पेन जैसे देशों में पाँव पसार लिये हैं और वहां सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट तेज हो गयी है।

फ्रांस में स्कूलों में पढ़ाई और सुविधाओं की मांग को लेकर छात्रों के आंदोलन को छिड़े तीन हफ्ते की अवधि बीत गयी, लेकिन उसका थमना तो दूर रहा, वह लगातार व्यापक और उग्र रूप लेता जा रहा है। राजधानी पेरिस में शनिवार को पांच लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतर आये और लूटमार, तोड़फोड़ और आगजनी का बाजार गर्म रहा। रविवार को साढ़े तीन सौ से अधिक लोग गिरफ्तार किये गये। लिमो जेस में 19वीं सदी का सिटी हाल फूंक दिया गया और पेरिस व अन्यत्र अनेक रेस्त्रां तोड़फोड़ का शिकार बने। सरकार को अनेक जगह मियादी कर्फ्यू लगाना पड़ा। पुलिस ने अश्रुगैस छोड़ी और बड़े पैमाने पर धरपकड़ की।

फ्रांस के पड़ोसी देश अल्बानिया में उग्र प्रदर्शनकारियों ने सत्ता से मिलीभगत के चलते सुप्रीम कोर्ट की इमारत में आग लगा दी। तिराना में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन लगातार जारी रहकर सातवें दिन में प्रवेश कर गया। वहां सत्ता-विरोधी प्रेसिमिंगो आंदोलनकारी समाजवादी प्रधानमंत्री एदी रामा के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उधर स्पेन में राजधानी मैड्रिड एवं अन्यत्र प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं के शिक्षक पगार को लेकर हड़ताल पर चले गये। बार्सीलोना में प्रदर्शन हुए और प्यूर्ता देल सोल को प्रदर्शनकारियों ने तारपोलिन-तंबुओं से घेर दिया। असंतोष की लहर से इटली भी नहीं बच सका। वहां बोलोना और तूरिन में आंदोलन भड़क उठा। हिंसक प्रदर्शन हुये। अक्टूबर 17 मूवमेंट के तहत अब प्रत्येक शनिवार अपराध-हीन शजे देशभर में प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। जाहिर है कि इससे जार्जिया मेलोनी के लिये परेशानियां बढ़ेंगी। इन सारे प्रदर्शनों और आंदोलनों के पीछे बदतर शिक्षा

प्रणाली, कमरतोड़ मंहगाई, ऊर्जा संकट और अंधाधुंध आब्रजन का हाथ है। रूस-उक्राइना और ईरान-अमेरिकी जंग तथा शरणार्थियों की बाढ़ से स्थितियां बिगड़ी हैं। फ्रांस में मैक्रों और स्पेन में सांचेज की आब्रजन नीति जेरे-बहस से है और कसौटी पर भी। आगामी चुनाव में वह मुख्य मुद्दा होगी।

फ्रांस को योरोपीय राष्ट्रों में प्रतिरोध के पर्याय राष्ट्र के तौर पर देखा जाता है और उसने यह पहचान सैकड़ों वर्षों की परंपरा से अर्जित की है। ताजा आंदोलन और तज्जन्य अशांति से मध्यमार्गी मैक्रों कमजोर हुये हैं और इसका लाभ धुर वाम प्रतिद्वंद्वी ज्यां लूस मालेनकों को मिल सकता है, जिन्होंने प्रदर्शन का समर्थन किया, हिंसा की निंदा नहीं की और सरकार को आड़े हाथों लिया। राजनीतिक समीक्षकों की राय में घटनाक्रम से धुर दक्षिणपंथी मारीन ली पें लाभ उठा सकते हैं। मैक्रों के पूर्व पीएम एदुआर्दो फिलिपे, जो आगामी



चुनाव में मध्य-दक्षिण धुरी के प्रत्याशी होंगे, मानते हैं कि इस आंदोलन का सिरा सीधी सड़क नहीं, अपितु छह-लेन राजमार्ग पर खुलता है। इसमें शक नहीं कि फ्रांस और पड़ोसी देशों में जीवन यापन कठिन होता जा रहा है। आवास और ऊर्जा मंहगी हैं। स्कूल भवन जर्जर और शिक्षक अपयत्ता। बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। फ्रेंच प्रधानमंत्री सेबरिस्टयन लेकोनू कहते हैं कि आंदोलन वाम प्रायोजित है और सरकार चोरों, लुटेरों और ठगों के आगे घुटने नहीं टेक सकती। यह अकारण नहीं है कि सर्बिया में विश्वविद्यालयीन छात्र भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलनरत हैं। वहां पापुलर बल्कन नेता अलेक्सान्द्र वूसिस का विरोध हो रहा है। वहां 27 अक्टूबर को इलेक्शन हैं। अल्बानिया में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जारेड कुशन्नर पर सरकार मेहरबान है। सांचेज और मेलोनी से ट्रंप के रिश्ते जगजाहिर हैं। ट्रंप अनेक योरोपीय देशों के संकट के लिए इस्लामी शरणार्थियों को दोषी मानते हैं। ट्रंप का कहना है कि फ्रांस को मुस्लिम आब्रजन के लिए अपनी सीमाएं बंद कर देनी चाहिए।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

डायबिटीज रोगियों के लिए इंफ्लुएंजा यानी स्वाइन फ्लू (HvNv) जैसी वायरल बीमारियां बेहद गंभीर साबित हो सकती हैं। सामान्य तौर पर स्वस्थ व्यक्तियों में स्वाइन फ्लू कुछ दिनों में ठीक हो जाता है, लेकिन डायबिटीज से पीड़ित लोगों में यह इंफेक्शन तेजी से गंभीर रूप ले सकता है। टाइप 1, टाइप 2 और जेस्टेशनल डायबिटीज के मरीजों में यह जोखिम अधिक होता है, भले ही उनका ब्लड शुगर स्तर नियंत्रित ही क्यों न हो। आंकड़ों के मुताबिक, इंफ्लुएंजा के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले वयस्कों में लगभग 30 प्रतिशत मरीज डायबिटीज के होते हैं।

डायबिटीज का प्रभाव केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं



निमोनिया जैसे श्वसन संबंधी संक्रमणों से गंभीर बीमारी और रिकवरी में अधिक समय लगने का खतरा रहता है। जब स्वाइन फ्लू का वायरस शरीर में प्रवेश करता है, तो इम्यून सिस्टम इंफ्लेमेटरी रिसॉन्स शुरू करता है। इस प्रक्रिया में निकलने वाले

रहता। लंबे समय तक शरीर में ग्लूकोज का स्तर बढ़ा रहने से प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) की संक्रमण से लड़ने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) के अनुसार, डायबिटीज के मरीजों में इंफ्लुएंजा और

हामॉन्स ब्लड ग्लूकोज को बढ़ा सकते हैं।

ब्लड शुगर पर स्वाइन फ्लू का असर: स्वाइन फ्लू के दौरान ब्लड शुगर का अचानक बढ़ जाना बेहद आम समस्या है। इसके पीछे मुख्य कारण शरीर की नेचुरल स्ट्रेस रिसॉन्स है। इंफेक्शन से निपटने के लिए शरीर कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन (Adrenaline) जैसे स्ट्रेस हार्मॉन्स की मात्रा बढ़ा देता है। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, ये हार्मॉन्स बीमारी से लड़ने में तो मदद करते हैं, लेकिन साथ ही ब्लड ग्लूकोज के स्तर को अचानक बढ़ा देते हैं।

इसके अलावा डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) भी एक बड़ा कारण है। फ्लू में होने वाले तेज बुखार और पसीने के कारण शरीर में फ्लुइड्स कम हो जाते हैं, जिससे शुगर का स्तर अनियंत्रित

हो सकता है। साथ ही, सर्दी या फ्लू के इलाज के लिए ली जाने वाली कुछ दवाएं भी ग्लूकोज स्तर को प्रभावित कर सकती हैं। डायबिटीज होने का अर्थ यह नहीं है कि हर बार फ्लू होने पर गंभीर स्थिति ही पैदा हो, लेकिन सावधानियां बरतना अत्यंत आवश्यक है। ग्लोबल डायबिटीज कम्युनिटी और विशेषज्ञों के अनुसार, मरीजों को निम्नलिखित सावधानियां रखनी चाहिए - हर साल अपने डॉक्टर की सलाह से फ्लू का टीका लगावा।

बीमारी के दौरान बार-बार ग्लूकोज स्तर मॉनिटर करते रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन करें। हाथों को नियमित रूप से धोएं और संक्रमित व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखें। बिना डॉक्टर से पूछे कोई नई दवा न शुरू करें और न ही अपनी डायबिटीज की दवाएं बंद करें।

निशाना

आज भले ही वाह-वाह मत दो यारो कल पक्का है शेर हमारे बोलेंगे



रामकिशोर नाविक

झील की गहराई में तारे बोलेंगे दिल की धड़कन चंद शिकारे बोलेंगे आज भले ही वाह-वाह मत दो यारो कल पक्का है शेर हमारे बोलेंगे चार दिनों की दीवाली है जश्न करो आने वाले साझा सकारे बोलेंगे करते रहिये मीठे बोलों की खेती याद में टप टप आँसू खारे बोलेंगे सुब्-शाम एकाध बार ही बोलो तुम जीवन भर सरकार तुम्हारे बोलेंगे।

वायरल कंटेंट

मुंबई का अनोखा ऑटो रिक्शा... यहां फ्री मिलते हैं पानी, बिस्किट और चिप्स

मुंबई की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां हर कोई अपने काम में व्यस्त नजर आता है, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी छोटी-छोटी पहलों से समाज में सकारात्मकता की मिसाल पेश करते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर मुंबई के एक ऑटो ड्राइवर का वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। वायरल वीडियो में नजर आने वाला ऑटो रिक्शा अपने अलग अंदाज के कारण लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस ऑटो को अंदर से बेहद खूबसूरती और करीने से सजाया गया है। हालांकि, इस वाहन की असली खूबी इसकी सजावट नहीं, बल्कि इसके ड्राइवर हबीब शेख की नेक सोच है। हबीब अपने ऑटो में सफर करने वाले यात्रियों की सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखते हैं। सफर के दौरान यात्रियों के लिए ठंडा पानी, बिस्किट और चिप्स जैसी चीजें पूरी तरह मुफ्त में उपलब्ध रहती हैं। यानी लोग सिर्फ अपनी मॉजिल तक का सफर तय नहीं करते, बल्कि रास्ते में उन्हें ये छोटी-छोटी सुविधाएं भी मिल



जाती हैं। हबीब शेख की दरियादिली का एक और पहलू लोगों को बेहद प्रभावित कर रहा है। वह यात्रियों को उनकी मॉजिल तक पहुंचाने की पूरी कोशिश करते हैं और किसी भी सवारी को बेवजह मना करने से बचते हैं। इसके अलावा, रात के समय यदि किसी अनजान व्यक्ति या परेशानी में फंसे इंसान को मदद की जरूरत हो, तो उनसे संपर्क करने के लिए ऑटो में पूरी जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है। आज के समय में जब सुरक्षा और आपसी भरोसा

सबसे अहम माना जाता है, ऐसे में किसी अनजान व्यक्ति की मदद के लिए आगे आने की यह सोच वाकई सराहनीय है। इस ऑटो की सबसे खास और भावुक कर देने वाली बात यह है कि हबीब ने अपनी इस नेक पहल में बेजुबान जानवरों को भी शामिल किया है। उनके ऑटो में आकार और बेसहारा जानवरों के लिए सूखा खाना और जरूरी दवाइयां हमेशा रखी जाती हैं।

कंज्यूमर अपडेट

दिवाली के बाद महंगे होंगे मोबाइल रिचार्ज प्लान, एडवांस प्लान का है विकल्प

दीपावली का त्योहार खत्म होते ही आम मोबाइल उपभोक्ताओं की जेब पर एक बार फिर बड़ा बोझ पड़ने वाला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टेक टिप्पटर अभिषेक यादव के दावे और तमाम बाजार रिपोर्ट्स के अनुसार, नवंबर और दिसंबर के महीनों में टेलीकॉम कंपनियां प्रीपेड और पोस्टपेड टैरिफ प्लान के दाम बढ़ा सकती हैं। जानकारों का मानना है कि अब टेलीकॉम सेक्टर में कंपनियों का मुख्य उद्देश्य प्रतिस्पर्धा के बजाय अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करना और प्रति यूजर औसत कमाई बढ़ाना हो गया है।

सेंट्रम इंस्टीट्यूशनल रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले महीनों में मोबाइल रिचार्ज की दरों में 12 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की जा सकती है। उदाहरण के लिए, यदि आप वर्तमान में किसी 300 रुपये वाले प्लान का उपयोग कर रहे हैं, तो भविष्य में इसके लिए आपको लगभग 35 से 45 रुपये तक अधिक चुकाने पड़ सकते हैं। हालांकि, हाल ही में ट्राई (TRAI) के निर्देशों के बाद कुछ

कंपनियों ने सस्ते कॉलिंग विकल्प भी पेश किए हैं, लेकिन मुख्य इंटरनेट डेटा और कॉलिंग वाले पैक्स के महंगे होने की पूरी संभावना है। **दाम बढ़ने के मुख्य कारण:** बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय टेलीकॉम बाजार अब चुनिंदा कंपनियों के हाथों में सिमट चुका है। पहले जहां कंपनियां ग्राहक खोने के डर से दाम बढ़ाने से बचती थीं, वहीं अब 5त नेटवर्क के भारी बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) की लागत और सीमित विकल्पों के चलते उनके लिए टैरिफ बढ़ाना आसान हो गया है। एयरटेल द्वारा हाल ही में पोस्टपेड प्लान महंगे किए जाने के बाद अब अन्य कंपनियों के भी इसी राह पर चलने के आसार हैं। यदि आप बढ़ते दामों के इस झटके से बचना चाहते हैं, तो आपको पास फिलहाल एक ही पुख्ता रास्ता बचा है। आप दाम बढ़ने से पहले ही अपने नंबर पर एक या एक से अधिक बार सालाना प्लान का एडवांस रिचार्ज करवा सकते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि यदि आप एक से अधिक बार रिचार्ज करवाते हैं, तो नया प्लान मौजूदा प्लान के समाप्त होने के बाद ही एक्टिव होता है।



बार-बार सामने आती हैं। सवाल यह नहीं कि अगला ह्रादसा कहा होगा बल्कि यह है कि उसे रोकने के लिए हमने अब तक क्या किया है? यह समझना जरूरी है कि भगदड़ केवल लोगों के अचानक दोड़ने से नहीं होती। जब किसी सीमित स्थान में भीड़ की संख्या उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है, प्रवेश और निकास का प्रवाह बाधित होता है, लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगते हैं या अफवाह के कारण एक साथ आगे बढ़ते हैं, तब स्थिति तेजी से जानलेवा बन सकती है। भीड़ के अत्यधिक दबाव में व्यक्ति के लिए सांस लेना और स्वयं को संभालना कठिन हो जाता है। गिरने वाला व्यक्ति दूसरों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। ऐसे हालात में कुछ क्षणों की अव्यवस्था भी अनेक जिंदगियां लील सकती है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिसकर्मियों की तैनाती, बैरिकेडिंग या लाउडस्पीकर से घोषणाएं करना नहीं है। इसके लिए भीड़ की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन, आवाजही की सतत निगरानी, प्रशिक्षित कर्मियों और स्पष्ट आपातकालीन योजना की आवश्यकता होती है।

धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा को अक्सर आस्था के उत्साह और आयोजन की भव्यता के पीछे गौण कर दिया जाता है। ऊंचे-ऊंचे पंडाल, आकर्षक सजावट, रोशनी, प्रचार और प्रायोजकों की प्रतिस्पर्धा पर भरपूर ध्यान दिया जाता है लेकिन प्रवेश द्वार कितने हैं, निकास कितना चौड़ा है,

आपातकालीन रास्ते खुले हैं या नहीं, पर्याप्त रोशनी है या नहीं और भीड़ बढ़ने पर क्या किया जाएगा, इन बुनियादी सवालों की अनदेखी कर दी जाती है। लोकप्रियता के नाम पर भीड़ को आमंत्रित करना और फिर उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी से बचना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। आयोजकों को समझना होगा कि किसी पूजा पंडाल की सफलता श्रद्धालुओं की संख्या से नहीं बल्कि इस बात से तय होती है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित घर लौटे। सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी भी आयोजन स्थल पर पुलिस तैनात कर देने तक सीमित नहीं हो सकती। अनुमति देने से पहले स्थल की क्षमता, प्रवेश-निकास मार्गों, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती और आपातकालीन निकासी की व्यवस्था का वास्तविक निरीक्षण होना चाहिए। कोई भी तकनीक तभी कारगर होगी, जब उसके आधार पर समय रहते निर्णय लेने वाले जिम्मेदार लोग मौजूद हों।

जवाबदेही तय करने में किसी प्रकार का पक्षपात नहीं होना चाहिए। यदि आयोजकों, अधिकारियों या अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों की लापरवाही प्रमाणित होती है तो कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। केवल कुछ गिरफ्तारियों या इस्तीफों को न्याय की पूर्णता नहीं माना जा सकता। साथ ही, जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और दोष का निर्धारण राजनीतिक बयानबाजी के बजाय साक्ष्यों के आधार पर होना चाहिए। श्रद्धालुओं की भी अपनी जिम्मेदारी है। धक्का-मुक्की से बचना, अफवाहों पर विश्वास न करना, सुरक्षा निर्देशों का पालन करना और अत्यधिक भीड़ दिखाई देने पर प्रवेश करने की जिद न करना आवश्यक है। आयोजकों को भीड़ को आकर्षित करने के लिए सोशल मीडिया पर प्रचार करते समय सुरक्षा क्षमता का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि, नागरिकों से सावधानी की अपेक्षा प्रशासनिक लापरवाही का विकल्प नहीं हो सकता। सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी उन लोगों की है, जो आयोजन की योजना बनाते हैं, अनुमति देते हैं और व्यवस्था संचालित करते हैं।

अब वक्त शोक जताकर आगे बढ़ जाने का नहीं बल्कि व्यवस्था बदलने का है। हर धार्मिक स्थल, हर पूजा पंडाल और हर बड़े सार्वजनिक आयोजन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जब तक लापरवाही पर जवाबदेही तय नहीं होगी, सुरक्षा नियमों का कठोरता से पालन नहीं होगा और पिछली दुर्घटनाओं से मिले सबक जमीन पर नहीं उतरेंगे, तब तक श्रद्धालुओं की जान पर मंड़राता खतरा समाप्त नहीं होगा। आस्था के नाम पर मौत को नियाति मान लेना सबसे बड़ी भूल है। भगवान के दरबार में इंसान जिंदगी की दुआ मांगने जाता है, जान गंवाने नहीं। किसी भी सभ्य समाज और संवेदनशील शासन व्यवस्था के असली परीक्षा यही है कि इस्लाम विश्वास के साथ घर से निकलें और सुरक्षित अपने घर लौटें।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

न्यूज विंडो

करेली में 51 फीट के रावण का दहन, अहंकार से बचे, नारी का करें सम्मान : मंत्री पटेल



करेली। असत्य पर सत्य की जीत के प्रतीक विजयादशमी पर करेली की पुरानी गल्ला मंडी परिसर में भव्य दशहरा उत्सव मनाया गया। सियाराम सेना समिति, ग्रेन मचेंट एसोसिएशन एवं जय बजरंग वानर सेना के संयुक्त आयोजन में 51 फीट ऊंचे विशाल रावण के पुतले का दहन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। अतिथियों ने भगवान श्रीराम-लक्ष्मण-हनुमान की महाआरती की। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा, प्रचंड विद्वान और अदम्य साहस के बावजूद रावण का अंत अहंकार के कारण हुआ। उसका जीवन प्रमाण है कि व्यक्ति को अहंकार से बचना और नारी का सम्मान करना चाहिए।

विधायक की जुबान फिसली, रावण दहन देखने आई जनता को ही बता दिया ‘रावण रूपी’



औबेदुल्लागंज। विजयादशमी पर औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में हिंदू उत्सव समिति के मंच से भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा का विवादित बयान सामने आया है। मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए उन्होंने भगवान राम द्वारा रावण वध का प्रसंग सुनाते हुए सामने बैठी जनता को ‘रावण रूपी जो हमारे सारे लोग यहां आए हुए हैं’ कहकर संबोधित कर दिया। मंच के पीछे रावण का पुतला खड़ा था और मैदान में करीब 50 हजार लोग दहन देखने पहुंचे थे। विधायक के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों में आक्रोश फैल गया और जमकर खिंचाई होने लगी। कांग्रेस ने इसे सत्ता का अहंकार बताते हुए तंज कसा कि भाजपा की नजर में अब जनता ही रावण बन गई है। स्थानीय लोगों ने भी इसे पावन पर्व पर जनता का अपमान बताया।

तेंदूखेड़ा में बंदर का आतंक, स्कूल से लौट रहे 9 साल के बच्चे को काटा

तेंदूखेड़ा। नगर में बंदरों के आतंक से लोग दहशत में हैं। गुरुवार शाम वार्ड 2 में स्कूल से घर लौट रहे 9 वर्षीय बच्चे पर बंदर ने



वार्ड 11-12 में दो साल से झुंड का कहर, मथुरा से बुलाई टीम भी रही नाकाम, लोगों ने मांगा स्थायी समाधान

क्रमांक 11 और 12 में पिछले दो साल से बंदरों के झुंड ने आतंक मचा रखा है। बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। लोगों ने बताया कि एक बार बंदरों को पकड़ने के लिए मथुरा से टीम भी बुलाई गई थी, लेकिन वह भी उन्हें पकड़ने में नाकाम रही। रहवासियों ने वन विभाग से प्रभावी अभियान चलाकर स्थायी समाधान की मांग की है।

हमला कर काट लिया। जानकारी के अनुसार वार्ड 2 निवासी पार्वती केवट का बेटा दीपेंद्र केवट सरस्वती स्कूल में पढ़ता है। शाम करीब 4 बजे तारादेही रोड पर घर लौटते समय एक बंदर ने उसके बाएं हाथ में काट लिया, जिससे खून निकलने लगा। शिक्षिका ने परिजनों को फोन पर सूचना दी, जिसके बाद मां उसे अस्पताल लेकर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार वार्ड

मेट्रो एंकर वार्ड 9 में नगर परिषद ने शुरू कराया निर्माण, कृषि मंडी और कॉलेज जाने वाला रास्ता होगा सुगम

खकरिया मार्ग होगा चौड़ा, 12 से बढ़कर 20 फीट होगी सड़क

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के सबसे व्यस्त खकरिया मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। नगर परिषद ने वार्ड क्रमांक 9 में इस मार्ग के निर्माण कार्य की शुरुआत करा दी है। लंबे समय से सड़क सक्री होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

जानकारी के अनुसार वर्तमान में इस मार्ग पर मात्र 12 फीट चौड़ाई में ही डामरीकरण है। सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण दो पहिया और चार पहिया वाहनों के आमने-सामने आने पर निकलने में काफी दिक्कत होती है। अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। चौड़ीकरण के बाद इस सड़क की कुल चौड़ाई लगभग



20 फीट हो जाएगी, जिसमें करीब 6 मीटर चौड़ाई में डामरीकरण किया जाना प्रस्तावित है। यह मार्ग नगर का सबसे व्यस्त मार्ग माना जाता है। इसी मार्ग पर जनपद पंचायत कार्यालय, कृषि मंडी, शासकीय कॉलेज, सांदीपनि स्कूल सहित 5 छात्रावास स्थित हैं। कई महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय भी इसी सड़क पर हैं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी

संख्या में लोगों का आना-जाना भी इसी मार्ग से होता है। सुबह-शाम के व्यस्त समय में यहां वाहनों का दबाव और अधिक बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार मार्ग के दोनों ओर कई जगह अतिक्रमण फैला हुआ है, जिससे सड़क की उपयोगी चौड़ाई और कम हो गई है। कई बार अतिक्रमण के कारण लंबा जाम लग जाता है और लोगों को

इंतजार करना पड़ता है। नगर परिषद द्वारा शुरू कराए गए चौड़ीकरण कार्य से लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन सुगम होगा और जाम की समस्या से निजात मिलेगी। वाहन चालकों के लिए भी यह मार्ग अधिक सुरक्षित होगा। हालांकि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि केवल सड़क चौड़ी करने से स्थायी समाधान नहीं होगा। मार्ग के दोनों ओर फैले अतिक्रमण को हटाना भी बेहद जरूरी है, ताकि सड़क की पूरी निर्धारित चौड़ाई का लाभ मिल सके। नगरवासियों ने उम्मीद जताई है कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा होगा, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार होगा।

मवेशी को बचाने में खाई में गिरी कार, एयरबैग ने बचाई दंपति की जान

हरई घाट के अंधे मोड़ पर 25 दिन में दूसरा हादसा, ग्रामीणों ने तेज रफ्तार और घुमावदार सड़क को बताया कारण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा-तेजगढ़ मार्ग पर ग्राम हरई के पास गुरुवार सुबह भीषण हादसा हो गया। दमोह से जबलपुर जा रहे दमोह निवासी महेश जैन अपनी पत्नी साधना जैन के साथ बलेनो कार से जा रहे थे। सुबह 9 बजे हरई के पास सड़क पर अचानक आए आवारा मवेशी को बचाने में कार अनियंत्रित होकर 20 फीट गहरी खाई में जा गिरी और पथरों की बाउंड्री से टकरा गई। टक्कर से कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन एयरबैग खुलने से दंपति बाल-बाल बच गए। पीड़ित ने तेजगढ़ थाने में सूचना दी। पुलिस ने जांच शुरू कर लोगों से अंधे मोड़ों पर वाहन धीमी गति से चलाने की अपील की है।

हरई घाट पर हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। 25 दिन पहले 28 सितंबर को भी इसी जगह रैठरा निवासी सुनील रजक की कार अनियंत्रित होकर



तीन पलटी खाकर इसी खाई में गिर गई थी। गनीमत रही कि कार में सवार परिवार सुरक्षित बच गया था। ग्रामीणों का कहना है कि हरई घाट पर चढ़ते ही दो

अंधे मोड़ और घुमावदार रास्ता शुरू हो जाता है, जहां सामने से अचानक वाहन आ जाते हैं और अक्सर हादसे होते हैं।

कांच टूटे, दरवाजे-नल गायब, सरकारी आवास भी जर्जर

तेंदूखेड़ा कृषि मंडी के लाखों के शौचालय बने खंडहर, खुले में जाने को मजबूर हैं किसान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड 9 स्थित कृषि उपज मंडी में अनाज बेचने आने वाले किसानों को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में परेशान होना पड़ रहा है। लाखों रुपये की लागत से बनाए गए दो शौचालय देखेरेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो गए हैं। जानकारी के अनुसार निर्माण के दौरान शौचालयों में टाइल्स, मार्बल, वॉश बेसिन, सीट, पानी-लाइट फिटिंग, पंपे और दरवाजे सहित सभी सुविधाएं दी गई थीं। लेकिन बनने के बाद से ही इन पर ताले लगे रहे। नियमित उपयोग नहीं होने से भवन जर्जर हो गए।

किसानों राजकुमार सिंह, अमन यादव और धीरज गोंड ने बताया कि ताले बाद में गायब हो गए, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं होने से उपयोग नहीं हो सका। अब खिड़कियों के कांच टूटे हैं, दरवाजे, नल-फिटिंग, लाइट फिटिंग गायब हैं और अंदर कचरा-गंदगी जमा है। किसानों का कहना है कि मंडी का मुख्य गेट 24 घंटे खुला रहता है। एकांत होने से रात में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। परिसर में शराब की बोतलें और कार्र कांच फेंके जाते हैं, जिससे चोट का खतरा है। मंडी बोर्ड के सरकारी आवास भी इसी तरह जर्जर हो रहे हैं। खिड़कियों के कांच टूटे, दरवाजे खराब और टंकियां गायब हैं। आसपास झाड़ियां उग आई हैं। एक महीने बाद मक्का और धान की खरीदी शुरू होगी। किसानों ने खरीदी से पहले साफ-सफाई, शौचालयों में पानी-बिजली और सुरक्षा व्यवस्था सुधारने की मांग की है।



निर्माण के बाद से ही लगे रहे ताले फिर हुआ सामान चोरी

किसानों ने आरोप लगाया कि शौचालय बनने के बाद लंबे समय तक ताले लगे रहे और नियमित निरीक्षण नहीं हुआ। इसी कारण हालत बिगड़ती गई। बाद में ताले गायब हो गए और धीरे-धीरे दरवाजे, नल-फिटिंग, लाइट फिटिंग चोरी हो गई। खिड़कियों के कांच तोड़ दिए गए। अंदर गंदगी जमा होने से बदबू आती है। शौचालय नहीं मिलने से किसानों, व्यापारियों और हम्मालों को खुले में जाना पड़ता है, जिससे परेशानी होती है और स्वच्छता अभियान को भी झटका लग रहा है।

नपाध्यक्ष ने सुनी जनता की फरियाद, समस्याओं का किया समाधान



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका कार्यालय में हर गुरुवार को होने वाली जनसुनवाई में शहरवासियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरुवार को नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने जनसुनवाई कर नागरिकों की समस्याएं सुनी और कई का मौके पर ही निराकरण कराया। जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से नागरिक अपनी शिकायतें और मांगें लेकर पहुंचे।

लोगों ने साफ-सफाई, नाली निर्माण, नया टैक्स प्रारंभ करने की प्रक्रिया, राशन कार्ड से नाम विलोपन, प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी और

आवेदन से संबंधित मुद्दे उठाए। नपाध्यक्ष ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरपालिका का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देना और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान करना है। जनसुनवाई के माध्यम से सीधे जनता से संवाद कर उनकी परेशानियों को समझने और हल करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, उपयंत्री आयुषी रिछरिया सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम में स्वच्छता पर सख्ती, गंदगी फैलाने वाले 17 प्रतिष्ठानों पर 1.41 लाख का जुर्माना

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर में गंदगी फैलाने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ नगरपालिका ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के नेतृत्व में नपा अमले ने बाजार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क पर कचरा फेंकने और गंदगी फैलाने पर 17 दुकानों, होटलों और प्रतिष्ठानों पर कुल 1 लाख 41 हजार 200 रुपये का जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई में जोआरवी होटल पर सबसे अधिक 31 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि केनरा बैंक, घमंडी लस्सी, मैंगो माइट होटल और रिलायंस स्मार्ट बाजार पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। नपा की इस सख्ती से बाजार क्षेत्र के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कई दुकानों के आसपास



गंदगी और सड़क पर कचरा पड़ा मिला। कुछ जगहों पर अतिक्रमण भी पाया गया। इसके पहले सफाई सुपरवाइजर्स द्वारा संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को कई बार समझाइश दी गई थी, लेकिन सुधार नहीं हुआ। इसके बाद स्वच्छता निरीक्षक ने वीडियो साक्ष्य एकत्र किए और उसके आधार पर जुर्माने की कार्रवाई की गई। स्वच्छ भारत अभियान के नोडल अधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि हंगामा सेल, इंदौरी सेल और बॉम्बे सेल पर 10-10 हजार, इमरान

अंडा, इमारत अंडा वाला, रिकू पान मसाला, राजपूत बाइक रिपेयरिंग, साहू बाइक रिपेयरिंग, झूललाल मोबाइल, गुरु कृपा मोबाइल और तरण ट्रेड्स पर 5-5 हजार तथा गुप्ता टी स्टॉल पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया गया। नपा ने स्पष्ट किया है कि शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई प्रतिदिन जारी रहेगी। निरीक्षण दल में अनुराग तिवारी, शेख अकबर खान, ब्रजेश सारवान, सुनील अवस्थी, गगन सोनी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

त्योहारों से पहले पुलिस का एक्शन, 100 से ज्यादा जगहों पर छापे, 3.69 लाख के अवैध पटाखे जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

दीपावली त्योहार के मद्देनजर सागर पुलिस ने अवैध पटाखों के खिलाफ जिलेव्यापी विशेष अभियान चलाया है। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देश पर जिले के सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन और राजपत्रित अधिकारियों के निर्देशन में 100 से अधिक स्थानों पर एक साथ चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने पटाखों की अवैध बिक्री, भंडारण और परिवहन की जांच की। कई दुकानों, गोदामों और वाहनों पर दबिश दी गई। इस दौरान थाना बंडा, कोतवाली, मकरोनिया, बहेरिया, कैट, मोतीनगर, बीना और



खुरई शहर पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए अवैध पटाखे जब्त किए। पुलिस के अनुसार कुल 10 प्रकरणों में लगभग 3 लाख 69 हजार 790 रुपये कीमत के पटाखे जब्त किए गए हैं। अवैध रूप से पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई के साथ-साथ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा

रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों के दौरान अवैध पटाखों के कारण आगजनी और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। कई बार बिना लाइसेंस के अधिक मात्रा में पटाखों का भंडारण किया जाता है, जो जनसुरक्षा के लिए खतरा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया है। एसपी अनुराग सुजानिया ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि अवैध पटाखा कारोबार पर लगातार निगरानी रखें और बिना वैध लाइसेंस के बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी दुकानों से ही पटाखे खरीदें और सुरक्षा नियमों का पालन करें। यह अभियान त्योहारों तक लगातार जारी रहेगा।

न्यूज विंडो

सागर में पटाखा दुकानों पर प्रशासन की सख्त नजर, एसडीएम ने किया निरीक्षण



सागर। त्योहारों से पहले सागर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। एसडीएम रोहित वर्मा ने राजस्व और पुलिस दल के साथ पटाखा गोदामों और थोक विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम ने वैरायटी पटाखा स्टोर, रमेश ताला थोक विक्रेता गोदाम और बनवारी लाल पटाखा स्टोर की दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानों के रजिस्टर, स्टॉक और लाइसेंस की जांच की। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दुकानदारों को कड़े निर्देश दिए गए। एसडीएम ने सभी थोक विक्रेताओं को अग्निशमन यंत्र, बालू भरी बाल्टी और पानी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखने को कहा। बिना लाइसेंस के पटाखा विक्रय न करने और आबादी से बाहर निर्धारित खुले स्थान पर ही बिक्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार सागर शहर में खेल परिसर के बाजू वाले मैदान में ही पटाखा दुकानें लगाई जाएंगी, ताकि भीड़भाड़ वाले इलाकों में हादसों से बचा जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और यह जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

एंबुलेंस की टक्कर से कोर्ट मुंशी की मौत, आबकारी महिला आरक्षक भोपाल रेफर

राजगढ़। राजगढ़ से ब्यावरा जा रहे कोर्ट मुंशी देवा मोर्य (30) की गुरुवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। टोल प्लाजा के पास एंबुलेंस की टक्कर से हुए हादसे में आबकारी विभाग की महिला आरक्षक रशिका साहू भी घायल हो गईं। उन्हें गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है।

पोस्टमार्टम के बाद देवा मोर्य का शव परिजनों को सौंप दिया गया।

हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। टक्कर इतनी गंभीर थी कि देवा मोर्य की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला आरक्षक को चोटें आईं। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद देवा मोर्य का शव परिजनों को सौंप दिया गया। देवा मोर्य की पहचान एक युवा शायर के रूप में भी थी। उनकी शायरियां लोगों के बीच लोकप्रिय थीं और लोग उन्हें गुनगुनाते थे। कम उम्र में उनके निधन की खबर से परिचितों और शुभचिंतकों में शोक है। कोतवाली थाना प्रभारी मंजू मखैनिया ने बताया कि हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जानकारी जुटा रही है। फिलहाल टक्कर मारने वाली एंबुलेंस की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमरकंटक में शराबबंदी बनी मजाक दशहरे पर पहुंची शराब की बड़ी खेप

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शराबबंदी के नियम सिर्फ कागजों में हैं, जमीन पर हकीकत कुछ और ही है। दशहरे के दिन शराब की बड़ी खेप सामने आने के बाद पुलिस और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि दशहरा के दिन कथित रूप से 3 पेट्री ब्लेंडर, 2 पेट्री सिमरन, 6 पेट्री ओसी, 3 पेट्री गोवा, 18 पेट्री बीयर और 42 पाउच/केन अमरकंटक पहुंचे। जब अमरकंटक में शराब प्रतिबंधित है, तो यह खेप किसकी नजर से गुजर गई? सवाल उठ रहा है कि क्या शराब की पेटियों ने पुलिस और आबकारी निगरानी को देखकर रास्ता बदल लिया था, या फिर निगरानी व्यवस्था ही इतनी मजबूत है कि सब कुछ दिखने के बावजूद दिखाई नहीं देता। यदि एक-दो बोतल की बात होती तो इसे चोरी-छिपे की घटना कहकर टाला जा सकता था, लेकिन पेटियों के हिसाब से शराब का पहुंचना बताता है कि यह कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह निगरानी के उस मॉडल की पोल खोलता है जिसमें शराब भी सुरक्षित अपने ठिकाने तक पहुंच जाती है। अमरकंटक में शराब के कारोबार को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में दशहरे जैसे बड़े पर्व पर इतनी बड़ी खेप का पहुंचना विभागीय कार्यप्रणाली पर व्यंग्य है। अमरकंटक धार्मिक नगरी है और यहां नियमों का पालन सुनिश्चित करना केवल पुलिस और आबकारी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रशासन की प्रतीक्षा से जुड़ा मामला है। अब सवाल सीधा है कि अगर शराब प्रतिबंधित है तो पेटियां अमरकंटक तक कैसे पहुंचीं और अगर विभाग को भनक तक नहीं लगी तो निगरानी आधार किसकी हो रही है? प्रशासन को बताना होगा कि शराबबंदी है या सिर्फ बोर्ड लगा है।

मेट्रो एंकर निगमायुक्त ने खुद मौके पर पहुंचकर हटवाया अतिक्रमण, बोले- सीमा से बाहर दुकान लगाई तो होगी जब्ती

दीपावली से पहले प्रशासन सख्त, कटरा बाजार में अतिक्रमण पर चला निगम का डंडा

सागर। दोपहर मेट्रो दीपावली पर्व के मद्देनजर सागर नगर निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने शहर के प्रमुख बाजारों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को निगमायुक्त खुद कटरा बाजार पहुंचे और मौके पर अतिक्रमण हटवाया। निगमायुक्त ने सड़क पर निर्धारित सीमा से बाहर दुकान लगाने और मार्ग अवरुद्ध करने वालों की सामग्री जब्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीपावली पर बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है और लोगों को परेशानी होती है। इसे देखते हुए दुकानों को निर्धारित सीमा के भीतर व्यवस्थित लगाने की व्यवस्था की गई है। नगर निगम की टीम ने कटरा बाजार, विजय



टॉकीज चौराहा, नमकमंडी, तीनबत्ती से कटरा बाजार और गुजराती बाजार क्षेत्र में सड़क पर दुकान लगाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की। सड़क पर रखी सामग्री हटवाई गई और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की गई। निगमायुक्त ने दुकानदारों से अपील की कि यातायात

व्यवस्था बनाए रखने में निगम का सहयोग करें और दुकानें निर्धारित सीमा में ही लगाएं, ताकि पैदल चलने वालों और वाहनों को दिक्कत न हो।

व्यापारियों से सहयोग की अपील : निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने व्यापारियों से

स्कूल के छात्र छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे, महिंद्रा ब्रिज के पास तेज रफ्तार ट्राले ने मारी टक्कर

धार/पीथमपुर। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगरी पीथमपुर में गुरुवार दोपहर महु-नीमच मार्ग पर भीषण सड़क हादसे में तीन मासूम स्कूली छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया। पुलिस के अनुसार हादसा सेक्टर-1 थाना क्षेत्र में महिंद्रा ब्रिज के पास दोपहर करीब 2 बजे हुआ। सेंट फ्रांसिस स्कूल के तीन छात्र दोपहिया वाहन क्रमांक स्कू40 क4037 पर सवार होकर छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्राले ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों वाहन सहित दूर जा गिरे। मृतकों की

महु-नीमच मार्ग पर दिल दहलाने वाला हादसा, ट्राले ने कुचले तीन स्कूली बच्चे, दो सगे भाइयों समेत तीन की मौत



पहचान प्रियांश रजक, मोक्ष रजक और आयुषी रजक के रूप में हुई है। प्रियांश और मोक्ष सगे भाई बताए जा रहे हैं। सूचना पर सेक्टर-1 थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने ट्राला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बॉक्स 1



छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे तीनों मासूम : पुलिस ने बताया कि तीनों बच्चे एक ही स्कूटी पर सवार थे। स्कूल की छुट्टी होते ही वे घर के लिए निकले थे। महिंद्रा ब्रिज के पास पीछे से आ रहे ट्राले ने उन्हें कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्राला बेहद तेज गति में था और चालक नियंत्रण खो बैठा। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। बॉक्स 2

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, पुलिस ने संभाली स्थिति

हादसे की खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, जिनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना से पूरे पीथमपुर में शोक की लहर है। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर शवों का पंचनामा किया। ट्राले को जब्त करने और चालक की तलाश के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

नरसिंहपुर में एफलएन परीक्षा की तैयारी पूरी, परीक्षा सामग्री का वितरण संपन्न 24 अक्टूबर को होगी मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो 24 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाली मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफलएन) मूल्यांकन परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर में बुधवार को परीक्षा सामग्री का वितरण किया गया। जिला शिक्षा केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी जिला परियोजना समन्वयक मनीष चौकसे और जिला सह-समन्वयक अखिलेश राजोरिया की मौजूदगी में सभी विकासखंडों के अधिकारियों को परीक्षा सामग्री सौंपी गई।

अधिकारियों को सामग्री को सुरक्षित रूप से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर परीक्षा के सुचारू और व्यवस्थित संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों को कहा गया कि निर्धारित तिथि पर परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। गौरतलब है कि मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों की बुनियादी पढ़ने, लिखने और गणितीय क्षमताओं का आकलन करना है। इसके तहत यह जांचा जाता है कि नव-साक्षरों ने बुनियादी स्तर पर कितनी दक्षता हासिल की है। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण नरसिंहपुर द्वारा परीक्षा को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा केंद्रों पर सामग्री समय पर पहुंचाने और परीक्षा को निष्पक्ष रूप से कराने के लिए ब्लॉक स्तर पर निगरानी दल भी सक्रिय किए गए हैं।

सोने की 3 चेन और 2 अंगूठियां बरामद, पुलिस कर रही जांच उधारी चुकाने को ज्वेलर से 8.40 लाख के गहने हड़पे, पति-पत्नी गिरफ्तार

धार/मनावर। दोपहर मेट्रो

मनावर में ज्वेलर्स से धोखाधड़ी कर 8 लाख 40 हजार रुपये के सोने के आभूषण हड़पने के मामले में पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोने की तीन चेन और दो अंगूठियां जब्त की हैं। तीसरे व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार मनावर धार रोड निवासी वैभव सोनी की स्वर्ण श्री ज्वेलर्स नाम से दुकान है। 10 मई 2026 को विशाल विश्वकर्मा अपनी पत्नी प्रज्ञा के साथ दुकान पर आया था। दंपती ने सोने की तीन चेन और दो अंगूठियां पसंद की, जिनकी कीमत 8 लाख 40 हजार 500 रुपये थी। आरोप है कि दंपती ने 2 लाख रुपये देने और शेष राशि बाद में चुकाने का आश्वासन दिया और परिवार को दिखाने की बात कहकर गहने साथ ले गए। बाद में न तो आभूषण लौटाए और न ही भुगतान किया। व्यापारी की शिकायत पर 18 अक्टूबर को मनावर थाने में प्रकरण दर्ज



उधारी चुकाने के लिए तीसरे व्यक्ति को दिए गहने

विवेचना में आरोपियों ने बताया कि इंदौर निवासी धर्मेन्द्र पाटीदार उनसे 5 लाख रुपये मांग रहा था। उधारी चुकाने के लिए उन्होंने ज्वेलर से लिए गए सोने के आभूषण धर्मेन्द्र को दे दिए। पुलिस ने मेमो के आधार पर आभूषण जब्त कर लिए हैं और धर्मेन्द्र की भूमिका को लेकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस यह भी जांच रही है कि लेन-देन में और कौन शामिल था।

किया गया। थाना प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विशाल और प्रज्ञा विश्वकर्मा निवासी जुनी मनावर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

साइबर सेल की मदद से पकड़े गए आरोपी

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रानी राठौर, प्रधान आरक्षक आमिर अंसारी, आरक्षक जितेंद्र कुशवाह और धार साइबर सेल के प्रधान आरक्षक सर्वेश और आरक्षक प्रशांत की अहम भूमिका रही। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दंपती को ट्रेस किया। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे वैधानिक कार्रवाई जारी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

बच्चे के इलाज के लिए पैसे मांगे तो पत्नी को दीवार पर पटका, लिवर-तिल्ली फटने से मौत

पीएम रिपोर्ट ने खोला हत्या का राज, आरोपी पति गिरफ्तार

धार/सरदारपुर। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर थाना क्षेत्र के बाण्डीखाली गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बेटे के लकवे के इलाज के लिए पैसे मांगने पर गुस्साए पति ने पत्नी को दीवार पर पटक दिया और पेट-सीने पर लातें मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पहले बाइक से गिरने की झूठी कहानी रची, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या का राज खुल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर की दोपहर मृतिका सन्तू बाई ने अपने पति राजेश पिता दरियावसिंह मंडोर निवासी बाण्डीखाली से बीमार बेटे साहिल के लकवे के इलाज के लिए पैसे की मांग की थी। पैसे को लेकर दोनों में तीखी बहस शुरू हो गई। गुस्से में राजेश ने पत्नी को पीछे से पकड़कर जोर से दीवार पर दे मारा, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोट



आई और वह नीचे गिर गई। इसके बाद भी आरोपी ने उसके पेट और सीने पर जोरदार लातें मारीं, जिससे महिला बेहोश हो गई। घटना के बाद आरोपी एक अन्य व्यक्ति के साथ सन्तू बाई को कंचन अस्पताल राजगढ़ ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए बयान दिया कि महिला बाइक से गिर गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गवाहों के कथन और

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि मारपीट के कारण महिला का लिवर और तिल्ली फट गई थी, जिससे आंतरिक रक्तस्राव से उसकी मौत हुई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन और एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनिल कुमार जादौन ने आरोपी राजेश मंडोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

डॉक्टरों के तबादले पर सियासत गरमाई, कल विधायक देंगे धरना

धार/मनावर। दोपहर मेट्रो

मनावर सिविल अस्पताल से दोनों हड्डी रोग विशेषज्ञों के तबादले और तत्काल रिलीव किए जाने को लेकर राजनीति गरमा गई है। क्षेत्रीय विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने इसे भाजपा नेताओं के दबाव में की गई कार्रवाई बताते हुए सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने 24 अक्टूबर को मनावर एसडीएम कार्यालय के बाहर विशाल धरना प्रदर्शन का ऐलान किया है।

दरअसल सीएमएचओ धार के आदेश पर मनावर सिविल अस्पताल में पदस्थ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील देसाई को सिविल अस्पताल कुशी और डॉ. संजय कुमार मुवेल को जिला अस्पताल धार के लिए रिलीव कर दिया गया। दोनों डॉक्टरों को कार्यमुक्त हुए दो दिन बीत गए, लेकिन उनके स्थान पर किसी नए विशेषज्ञ की पदस्थापना नहीं की

गई। विधायक डॉ. अलावा ने फेसबुक पोस्ट में नाराजगी जताते हुए कहा कि मनावर विधानसभा क्षेत्र सरकार द्वारा दुर्घटनाओं के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। आए दिन गंभीर सड़क हादसों के घायल मरीज इलाज के लिए मनावर अस्पताल पहुंचते हैं। दोनों विशेषज्ञों के जाने से पूरे क्षेत्र में एक भी हड्डी रोग विशेषज्ञ नहीं बचा है, जिससे आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था चरमरा सकती है। विधायक ने चेतावनी दी है कि डॉक्टरों की कमी के विरोध में वे समर्थकों और स्थानीय नागरिकों के साथ 24 अक्टूबर को एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना देंगे। इस घटनाक्रम से क्षेत्र का सियासी पारा चढ़ गया है और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप है। विधायक ने कहा, 'भाजपा नेताओं के इशारे पर जनहित को ताक पर रखकर तबादला किया गया है। मनावर की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं होने दिया जाएगा।

कर्बाइड गन बनाने वाला गिरफ्तार

ग्वालियर। दीपावली के लिए कर्बाइड गन बनाने का कारोबार गोला का मंदिर में पकड़ा गया है। गन बनाने वाले के ठिकाने से एक बंदूक और उसे बनाने में इस्तेमाल सामान मिला है। पुलिस ने बताया जडेरुआ, पिंटो पार्क निवासी छत्रपाल सिंह बघेल 40 पुत्र हरिप्रसाद घर में कार्बाइड बंदूक बना रहा था। उसके बारे में पता चलने पर क्राइम ब्रांच की टीम ने उसका ठिकाना घेरकर छत्रपाल को दबोच लिया उसके घर की तलाशी लेने पर एक तैयार कार्बाइड बंदूक और उसे बनाने में इस्तेमाल सामान मिला है।

संचालनालय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण,

“घ” - खण्ड विन्ध्याचल भवन भोपाल मध्यप्रदेश-462006

क्रमांक

/स्टोर/2026-27/

भोपाल, दिनांक

विज्ञापित

संचालक, खाद्य नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण, संचालनालय प्रथम तल “घ”-खण्ड, विन्ध्याचल भवन के कार्यालय हेतु अनुबंध के आधार पर लेखन सामग्री (स्टेशनरी) क्रय किये जाने हेतु निविदा की शर्तें एवं निविदा प्रपत्र कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर दिनांक 17.11.2026, समय दोपहर परचात 1.00 बजे तक रुपये पांच सौ का चालान जमा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग के वेब साइट www.food.mpg.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय प्रमुख

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण

संचालनालय मध्यप्रदेश

G-20402/26

एशियन पैरा गेम्स 2026 : शीतल देवी का दुनिया ने देखा दम

चार अंक से पिछड़ने के बाद धमाकेदार वापसी, जीत लिया गोल्ड

बिना हाथों के जन्मी भारत की स्टार तीरंदाज ने फाइनल में सिंगापुर की खिलाड़ी को 142-139 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने अपने अद्भुत हुनर, मजबूत इरादों और शानदार खेल से एक बार फिर देश का मान बढ़ाया है। एशियन पैरा गेम्स में 19 वर्षीय शीतल ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में सिंगापुर की अलीम नूर स्याहिदाह को 142-139 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। खास बात यह रही कि मुकाबले में चार अंक से पिछड़ने के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की और लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। बिना हाथों के जन्मी शीतल जम्मू-कश्मीर की रहने

वाली हैं। उनका यह प्रदर्शन बताता है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत के दम पर बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना किया जा सकता है।

खिताबी मुकाबले की शुरुआत में सिंगापुर की अलीम नूर स्याहिदाह ने बढ़त बना ली थी। शुरुआती दो चरणों में छह-छह तीर चलाने के बाद वह शीतल से चार अंक आगे थीं। ऐसे में भारतीय खिलाड़ी के सामने वापसी करने की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने दबाव में बिखरने के बजाय अपना पूरा ध्यान निशाने पर केंद्रित रखा। शीतल ने अगले दो चरणों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगातार छह तीरों से 10-10 अंक हासिल किए। इनमें तीन तीर निशाने के केंद्र के बेहद करीब लगे, जिन्हें 'एक्स' स्कोर कहा जाता है। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने मुकाबले का रुख पलट दिया और दो अंकों की बढ़त हासिल कर ली।



आखिरी तीन तीरों ने तय किया स्वर्ण पदक

मुकाबले के अंतिम चरण में दोनों खिलाड़ियों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की चुनौती थी। शीतल ने आखिरी तीनों तीरों से नौ-नौ अंक हासिल किए और कुल 27 अंक जोड़े। दूसरी ओर, अलीम नूर स्याहिदाह ने अंतिम तीन तीरों से नौ, आठ और नौ अंक हासिल किए। इस तरह अंतिम चरण में शीतल ने अपनी बढ़त कायम रखी और 142-139 के अंतर से मुकाबला जीत लिया। उनकी इस जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े मुकाबलों में दबाव के बीच भी बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता रखती हैं। शीतल देवी के लिए यह दिन दोहरी खुशी लेकर आया। व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने तोमन कुमार के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। इससे पहले शीतल ने महिला युगल स्पर्धा में ओडिशा की पैरा तीरंदाज पायल नाग के साथ रजत पदक जीता था। इस तरह उनके खाते में अब तक दो स्वर्ण और एक रजत सहित कुल तीन पदक हो गए हैं।

2023 की जीत को फिर दोहराया

शीतल ने 2023 में हांगझोउ में आयोजित पिछले एशियन पैरा गेम्स के फाइनल में भी अलीम नूर स्याहिदाह को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। इस बार फिर उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत दर्ज करके उन्होंने अपनी श्रेष्ठता साबित की। शीतल देवी की यह उपलब्धि भारतीय खेल जगत के लिए गर्व का विषय है। उनकी संघर्ष, आत्मविश्वास और शानदार प्रदर्शन देश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है।

दूसरा टेस्ट: साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पारी और 31 रन से हराया



गकेबरहा। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेंट जॉर्ज पार्क में खेले गए मुकाबले में पारी और 31 रन से जीत हासिल की। इसी के साथ मेजबान टीम ने 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। 179 रन की पारी खेलने वाले साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वनडे सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज का पहला मैच 214 रन से अपने नाम किया था, लेकिन साउथ अफ्रीका ने अगले मैच को जीतकर सीरीज में बराबरी कर ली है। अब सीरीज का अंतिम मैच 27 अक्टूबर से केपटाउन में खेला जाएगा।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने खराब शुरुआत के बावजूद पहली पारी 425/9 के स्कोर पर घोषित की। मुकाबले के शुरुआती 2 दिन बारिश से प्रभावित रहे थे। इस टीम ने 110 के स्कोर तक अपने 6 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान टेंबा बावुमा ने मार्को जानसेन के साथ सातवें विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को 242 के स्कोर तक पहुंचा दिया। जानसेन 3 छकों और 9 चौकों के साथ 85 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बावुमा ने साइमन हार्मर के साथ आठवें विकेट के लिए 183 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

क्राइस्टचर्च टी20 में असली खेल तो नमन धीर ने किया

नंबर-7 पर उतरकर खेली ऐसी तूफानी पारी, तोड़ डाला 17 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 225 रन का टारगेट हासिल कर चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने 1914 ओवर में 6 विकेट पर 230 रन बनाकर सीरीज में शुरुआती बढ़त हासिल की। इस जीत के हीरो संजू सैमसन और नमन धीर रहे। संजू ने 67 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि नमन ने महज 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाकर इतिहास रच दिया। नमन की 280 की स्ट्राइक रेट वाली पारी मैच का एक्स फैक्टर रही।

नमन धीर ने नंबर-7 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सफल टी20 इंटरनेशनल चेज में भारत के लिए सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 42 * रन की पारी के साथ इरफान पटान का 17 साल पुराना कीर्तिमान तोड़ दिया। इरफान ने 2009 में कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ नंबर-7 पर बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए थे। क्रिकबज के मुताबिक- नमन की पारी ने एक बार फिर 'डेथ ओवरों' में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की क्षमता दिखाई। टी20 क्रिकेट में 16वें से 20वें ओवर के दौरान उनके नाम 167 गेंदों पर 341 रन दर्ज हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 204।19 रहा है। वहीं 10 बार अपना विकेट गंवाया है, जबकि 34 चौके और 19 छक्के लगाए हैं।



संजू ने पावरप्ले में ही रख दी जीत की नींव

225 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने पहले छह ओवर में 94 रन जोड़ दिए। दोनों ने मिलकर पावरप्ले में 93 रन की साझेदारी की, जिसने भारत को टारगेट के करीब पहुंचने की मजबूत स्थिति में ला दिया। संजू ने 33 गेंदों पर 67 रन बनाए। उन्होंने लॉकी फर्ग्यूसन के एक ओवर में 22 रन बटोरे, जबकि अभिषेक ने एडम मिलने के ओवर में दो छक्के जड़े। अभिषेक ने 12 गेंदों पर 29 रन बनाए, लेकिन माइकल ब्रेसवेल की ऑफ स्पिन पर बैकवर्ड पॉइंट में कैच दे बैठे। संजू सैमसन वाइड गेंद पर कट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे।

अक्षर-श्रेयस ने संभाली पारी

लगातार विकेट गिरने के बाद अक्षर पटेल को ऊपर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पारी को संभाला। अक्षर ने सेंटरन के खिलाफ चौका और ब्रेसवेल के खिलाफ छक्का लगाया। लॉकी फर्ग्यूसन ने 13वें ओवर में साझेदारी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन मिड ऑफ पर पीछे की ओर भागते हुए सेंटरन अक्षर का कैच नहीं पकड़ सके। न्यूजीलैंड को इस गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत ने अगले ओवर में मेट हेनरी के खिलाफ 20 रन बटोरे। अक्षर 14 गेंदों पर 24 रन बनाकर फर्ग्यूसन की गेंद पर आउट हुए।

88 टी20 मैचों बाद भुवी से हुई बड़ी चूक!

नो बॉल पर टिम सीफर्ट ने जड़ा शानदार चौका, एक ओवर में लुटाए 17 रन

क्राइस्टचर्च, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के साथ ऐसा वाकया हुआ, जो उनके लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में बेहद कम देखने को मिला है। भुवनेश्वर ने 88 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद पहली बार नो बॉल फेंकी। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने इस मौके का फायदा उठाते हुए फ्री हिट पर चौका जड़ दिया। इस घटनाक्रम के कारण भारतीय गेंदबाज के दूसरे ओवर में कुल 17 रन चले गए।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेले गए मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में नीतीश कुमार रेड्डी और मयंक यादव को मौका दिया। भुवनेश्वर कुमार ने अपने पहले ओवर में करीी हुई गेंदबाजी करते हुए सिर्फ चार रन दिए। हालांकि, दूसरे ओवर की पहली गेंद पर उनका अगला पैर क्रीज से आगे निकल गया। टिम सीफर्ट बैक ऑफ लेंथ गेंद पर पुल शॉट खेलने से चूक गए, लेकिन अंपायर ने फंटे फुट नो बॉल का संकेत दे दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड को फ्री हिट मिली। भुवनेश्वर ने ऑफ स्टंप के



बिना नो बॉल के सबसे ज्यादा ओवर फेंकने वालों में भुवनेश्वर

इस मुकाबले से पहले भुवनेश्वर कुमार टी20 अंतरराष्ट्रीय में बिना नो बॉल फेंके लगातार लंबे समय तक गेंदबाजी करने वाले प्रमुख गेंदबाजों में शामिल थे। उनके नाम इस प्रारूप में 299.3 ओवर दर्ज थे। इस सूची में इंग्लैंड के आदिल राशिद 320.2 ओवर के साथ आगे बताए गए हैं। भुवनेश्वर के बाद पाकिस्तान के शादाब खान 299.1 ओवर, आयरलैंड के जॉर्ज डॉकरेल 250.2 ओवर और पाकिस्तान के सईद अजमल 238.2 ओवर के साथ सूची में शामिल हैं।

बाहर यॉर्कर डालने की कोशिश की, मगर गेंद सीफर्ट के बल्ले का किनारा लेकर शॉर्ट थर्ड में गिर गई। अक्षर और बैकवर्ड पॉइंट के बीच से सीमा रेखा के पार चली गई।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

करण जौहर को भी है सच्चे प्यार की तलाश! बोले-

जिंदगी के छोटे-बड़े पल साझा करने वाला कोई साथी चाहिए

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर ने अपनी निजी जिंदगी और प्यार को लेकर खुलकर दिल की बात कही है। उन्होंने बताया कि वह अपनी जिंदगी में ऐसे साथी की तलाश में हैं, जिसके साथ रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें साझा कर सकें और जिंदगी के ख़ास पलों को मिलकर जी सकें। करण की यह भावुक बात अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ बातचीत के दौरान सामने आई, जहां उन्होंने अपने रिश्ते से जुड़ी इच्छाओं को बेबाकी से साझा किया।

दरअसल, करण जौहर ने अपने चर्चित बातचीत कार्यक्रम 'कॉफी विद करण 9' के एक एपिसोड में विजय देवरकोंडा से बातचीत के दौरान अपनी भावनाएं जाहिर कीं। बातचीत में विजय ने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अपने



रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा, मैं रश्मिका का हाथ थामे रहना चाहता हूँ और आप भावनाएं जाहिर कीं। बातचीत में विजय ने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अपने

जिंदगी में क्या चाहते हैं। इस सवाल पर करण ने कहा कि उन्हें ऐसा इंसान चाहिए, जिसके साथ वह अपनी दिनभर की बातें साझा कर सकें, खुशियों का जश्न मना सकें और जीवन के उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे का साथ दे सकें।

करण ने बातचीत में अपने जुड़वां बच्चों यश और रूही का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि उनके जीवन में आने वाला साथी बच्चों की परवरिश में बराबर की जिम्मेदारी निभाए। उनके लिए रिश्ता केवल साथ रहने तक सीमित नहीं, बल्कि एक-दूसरे की जिम्मेदारियों और भावनाओं को समझने का नाम भी है। करण ने यह भी कहा कि उनके लिए शादी करना शाब्दिक तकनीकी रूप से संभव न हो, लेकिन वह एक प्यार भरे रिश्ते में जरूर रहना चाहते हैं।

विजय देवरकोंडा की बात ने छुआ दिल

करण की भावनाएं सुनने के बाद विजय देवरकोंडा ने उनके लिए खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि पुराने और नए देवी-देवताओं के साथ कॉफी और इस सोफे के देवताओं से भी प्रार्थना करते हैं कि करण की इच्छा पूरी हो जाए। विजय की बात सुनकर करण भावुक हो गए। उन्होंने कहा, फ्रहॉ, मुझे ऐसा लग रहा है कि आपकी मेरे लिए यह प्रार्थना दिल से निकली थी। गौरतलब है कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना भी 'कॉफी विद करण 9' में साथ नजर आ चुके हैं। करण की इस बातचीत ने एक बार फिर यह दिखाया कि चमक-दमक से भरी फिल्मी दुनिया में भी प्यार, भावनात्मक जुड़ाव और आमनेपन की चाह उल्टी ही अहम है।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में फ़ेशर्स की मांग में तेज उछाल दर्ज किया गया है और एडटेक सेक्टर में हायरिंग की संभावना 50 प्रतिशत बढ़ गई है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। टीमलीज एडटेक की रिपोर्ट में कहा गया कि डिजिटल एडवाइजिंग और मार्केटिंग में उन युवा फ़ैशर्स के लिए मौके बढ़ रहे हैं, जिनके पास इंडस्ट्री में मान्यता प्राप्त कौशल मौजूद है। मुंबई में डिजिटल

त्योहारी सीजन में बड़ी फ़ेशर्स की मांग, एडटेक सेक्टर में मौके

मार्केटिंग एजीक्यूटिव की मांग 48 प्रतिशत रही और मार्केटिंग वित्ताज्ञाप क्षेत्र में फ़ेशर्स की भर्ती का इरादा 2026 की पहली छमाही के 62 प्रतिशत की तुलना में, 2026 की दूसरी छमाही में 59 प्रतिशत दर्ज किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि बाजार में कुछ नरमी के बावजूद, विशेष एंटी-लेवल भूमिकाओं की मांग यह दर्शाती है कि ऐसे उम्मीदवारों की अहमियत बनी हुई है, जिनके पास डिजिटल विज्ञापन प्लेटफॉर्म, कैपेन के प्रदर्शन और ऑडियंस एंगेजमेंट की व्यावहारिक समझ हो। रिपोर्टों में प्रोग्रामैटिक एडवर्टाइजिंग एसोसिएट

और डिजिटल मार्केटिंग एजीक्यूटिव को देश भर की शीर्ष पांच फ़ेशर भूमिकाओं में शामिल किया गया है। इससे पता चलता है कि एंटी-लेवल नौकरियों के क्षेत्र में डिजिटल-फ़र्स्ट क्षमताओं का महत्व आज भी बरकरार है। परफॉर्मंस मार्केटिंग एनालिटिक्स भी एक महत्वपूर्ण स्किल के रूप में उभर रही है। इससे यह जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार डिजिटल मार्केटिंग की मुख्य क्षमताओं के साथ-साथ कैपेन को मापने, डेटा को समझने और परफॉर्मंस के आधार पर फैसले लेने की समझ भी रखें।

2030 तक भारत-स्वीडन व्यापार और निवेश दोगुना करने का लक्ष्य: भारतीय राजदूत

नई दिल्ली। भारत और स्वीडन ने अपनी नई रणनीतिक साझेदारी के तहत वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। भारत के स्वीडन में राजदूत अनुराग भूषण ने गुरुवार को कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियां, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऊंचाइयों तक ले जाने में केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

भारतीय राजदूत अनुराग भूषण ने कहा कि नया ढांचा पारंपरिक आर्थिक संबंधों से आगे बढ़कर अगली पीढ़ी की आर्थिक साझेदारी के निर्माण पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वीडन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया था और कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक रोडमैप भी अपनाया गया था। उन्होंने कहा, "दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने 2030 तक व्यापार



और निवेश को दोगुना करने का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है। भूषण के अनुसार, आर्थिक सहयोग इस रणनीतिक साझेदारी के चार प्रमुख स्तंभों में से एक है। अन्य स्तंभों में सुरक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियां और लैंग्वेज के बीच संपर्क शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के बाद से दोनों नवाचार दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

सरकारों पांच वर्षीय कार्ययोजना के माध्यम से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को वास्तविक कारोबारी परिणामों में बदलने पर काम कर रही हैं। इसके तहत भारतीय राज्यों और उद्योग संगठनों के कई प्रतिनिधिमंडलों ने स्वीडन का दौरा किया है, ताकि निवेश और साझेदारी के नए अवसर तलाशे जा सकें। भारत-स्वीडन संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रस्तावित स्वीडन-ईंडिया टेक्नोलॉजी एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉरिडोर है, जिसका उद्देश्य उभरती तकनीकों, नवाचार और उन्नत डिजिटल अवसरंचना के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना है।

मुंबई। अभिनेत्री कुनिका सदानंद मुंबई में आयोजित पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कारों में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने दलेर मेहंदी और दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब फिल्म इंडस्ट्री बहुत महत्वपूर्ण उद्योग है। इस इंडस्ट्री में बेहतरीन कहानियां और दिलचस्प विषयों के आधार पर फिल्में बनाई जाती हैं। मैं पहली बार पीटीसी अवार्ड्स में शामिल हुई हूँ और शायद मुंबई में यह पहली बार आयोजित भी हुई है और इसमें शामिल होकर मैं बहुत खुश हूँ।

अभिनेत्री ने कहा कि पंजाब इंडस्ट्री के फिल्मों का बजट भी बड़ा हो रहा है। वे कनाडा, लंदन सहित विश्व के

दलेर मेहंदी पर लगे आरोपों पर भड़कीं कुनिका

सदानंद, बोलीं- ज्यादातर नेताओं में सभ्यता नहीं

अलग-अलग हिस्सों में अपनी फिल्मों की शूटिंग करते हैं। मैं उन्हें भविष्य के लिए बहुत शुभकामनाएं देती हूँ। हाल ही में पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी के साथ जो व्यवहार किया गया और कॉन्सर्ट में उनको जो कहा गया है कि वो शराब पीकर सिंगिंग कर रहे थे, इस पर उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से कहती हूँ कि ज्यादातर पॉलिटिशियन लोगों के पास सभ्यता नहीं है।

उन्होंने कहा कि कॉन्सर्ट के दौरान दलेर मेहंदी के साथ इतने अभद्र तरीके से बात की गई। उनका जो करियर है,



उनकी जो पहचान है, उनकी जो आवाज है, वह इन पॉलिटिशियन के पास उनकी नाखून के बराबर भी नहीं है और इस तरह से उन्होंने बताव किया। हो सकता है कि उनकी तबीयत खराब थी, उस हो गई है, लेकिन किसी को बेइज्जत करने का कोई अधिकार नहीं है। अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने कहा कि हमने सुना है कि दलेर मेहंदी बिल्कुल शराब नहीं पीते हैं। ऐसे में उनके ऊपर जो लांछन लगाया गया है कि वह शराब पीकर आए थे और उनकी जुबान लड़खड़ा रही थी।

इंडोनेशिया

5200 फीट ऊंचे ढलान पर सीढ़ीदार घर

स्मार्ट फार्मिंग ने गांव को बनाया टूरिस्ट हब



जकार्ता। तस्वीर इंडोनेशिया के सेंट्रल जावा प्रांत में माउंट सुबिंग की खड़ी ढलानों पर बसे ‘बुतुह’ गांव की है। अपनी अनूठी भौगोलिक बनावट के कारण दुनियाभर में मशहूर यह गांव आज इंडोनेशिया का पर्यटन स्थल बना हुआ है। समुद्र तल से करीब 5,200 फीट की ऊंचाई पर बसे इस

गांव के सीढ़ीदार घर बिल्कुल नेपाल के हिमालयी गांवों जैसे हैं, इसलिए इसे ‘नेपाल वैन जावा’ कहा जाता है। ज्वालामुखी पर्वत की तलहटी में होने के कारण यहां का मौसम हमेशा ठंडा रहता है। इस दुर्गम इलाके में लोगों ने ढलानों पर सीढ़ीदार खेत बनाए हैं, जो ड्रोन या ऊंचाई से देखने

पर किसी विशाल रंग-बिरंगी पेंटिंग जैसे नजर आते हैं। इस खूबसूरती के पीछे किसानों की ‘स्मार्ट फार्मिंग’ है। फसलों को ठंड से बचाने और नमी बरकरार रखने के लिए वे ‘प्लास्टिक मल्विंग’ का इस्तेमाल करते हैं। इनमें अलग-अलग फसलों के हरे शेड्स और जुते हुए खेतों की भूरी

मिट्टी मिलकर एक अद्भुत रंग-बिरंगी चित्रकारी करते हैं। यहां के लोग मुख्य रूप से टूरिज्म और खेती पर ही निर्भर हैं। अपने जादुई खेतों, बादलों के ऊपर होने के अहसास और बेहतरीन सूर्योदय के नजारे के कारण यह गांव अब एक प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुका है।

बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में पीयूष गोयल ने कार्बन उत्सर्जन पर चिंता जताते हुए कहा

अपनी ही आर्थिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रहा यूरोपीय संघ

नई दिल्ली। एजेंसी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ अपने इस्पात उत्पादों पर कार्बन टैक्स लगाकर अपने लिए मुसीबत मोल ले रहा है। बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ लगातार नए नियम और प्रतिबंध लागू करके तथा अपनी सीमाएं बंद करके खुद अपनी आर्थिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार ने यूरोपीय देशों को विकसित अर्थव्यवस्थाएं बनने में मदद की थी। उनके मुताबिक, अत्यधिक नियमों और प्रतिबंधों के कारण यूरोपीय उद्योगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इससे स्टील, एल्युमीनियम और सीमेंट जैसी जरूरी निर्माण सामग्री महंगी हो सकती है, जिसका असर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लेकर आम उपभोक्ताओं तक पहुंच सकता है।



गोयल ने कहा, ‘आप अपने ऊपर कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म लागू करते हैं। अपने देश में इस्पात के आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाते हैं। आप अपने लिए मुसीबत मोल ले रहे हैं। इससे आपकी जीवन-यापन की लागत बढ़ेगी।’ उन्होंने कहा कि नियमों के इस पूरे ढांचे के जरिए यूरोपीय संघ अपने लिए आर्टिफिशियल बाधाएं खड़ी कर रहा है। वह यूरोप के भीतर सीमाएं बनाने और कुछ क्षेत्रों, खासकर इस्पात उद्योग, की रक्षा के लिए कई बार बेतुके मानक और सुरक्षा स्तर लागू करने को कोशिश कर रहा है। इससे अंततः उसकी अपनी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचेगा।

भारत ने सीबीएएम पर क्यों जताई चिंता?

यूरोपीय संघ का कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म यानी सीबीएएम आयातित वस्तुओं के उत्पादन से जुड़े कार्बन उत्सर्जन को ध्यान में रखता है। इसका उद्देश्य यूरोपीय बाजार में आने वाले उत्पादों के कार्बन उत्सर्जन की लागत को यूरोप में उत्पादित वस्तुओं के अनुरूप लाना और कार्बन-गहन उत्पादन को हतोत्साहित करना है। हालांकि, भारत को चिंता है कि इस व्यवस्था से उसके स्टील, एल्युमीनियम और सीमेंट जैसे उत्पादों के यूरोपीय बाजार में निर्यात पर अतिरिक्त लागत पड़ सकती है। गोयल ने कहा कि ऐसे नियम भारतीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को फिर लगाई लताड़

‘कारगिल में अपने ही सैनिकों के शव लेने से इनकार कर दिया था’

न्यूयॉर्क। एजेंसी

आतंकवाद, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के दोहरे मापदंड एक बार फिर सबके सामने आए हैं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ठोस सबूत दिखाते हुए एक बार फिर याद दिलाया है कि पाकिस्तान के पास भारत के जम्मू-कश्मीर और उसके आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने अन्य वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों के साथ मिलकर धर्म और विश्वास की स्वतंत्रता पर विशेष प्रतिवेदक (स्पेशल रैपॉर्टर) के साथ एक संवाद में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ऐसे अकादयिक सबूत और तथ्य पेश किए जिनसे पता चलता है कि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान मारे गए अपने सैनिकों के शवों को लेने से पाकिस्तान ने इनकार कर दिया था।



‘भारतीय सैनिकों ने दफनाये पाक सैनिकों के शव’

मंगलानंदन ने कहा, ‘यह बड़े ही विरोधाभास की बात है कि जो देश 1999 में कारगिल की लड़ाई में मारे गए अपने ही सैनिकों के शवों को लेने तक के लिए तैयार नहीं था, वह आज आस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और दफनाने की प्रथाओं पर इतने जोश के साथ बात कर रहा है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहती हूँ कि भारतीय सेना ने ही कई पाकिस्तानी सैनिकों को पूरे सैन्य सम्मान के साथ और इस्लामी रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाया था।

‘भारत को उपदेश न दे पाकिस्तान’

उन्होंने कहा, ‘पाकिस्तान को भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में हो रही घटनाओं को लेकर जो इतनी गहरी दिलचस्पी है, उसे असल में उन इलाकों पर ध्यान देना चाहिए जो उसके अवैध कब्जे में हैं, जैसे कि रावलकोट। पाकिस्तान में कई अल्पसंख्यक समुदायों की आबादी घट रही है और उनके अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। जो देश अपने खुद के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता उसे भारत को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।’ इस हफ्ते की शुरुआत में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी और मानवाधिकार मामलों के विशेष प्रतिवेदक की एक रिपोर्ट में मौजूद गंभीर तथ्यात्मक गलतियों की ओर इशारा किया। भारत ने झूठ पेश करने के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की।

न्यूज विंडो

राजस्थान: पूर्व विधायक हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले के वैर क्षेत्र स्थित भौड़ा गांव में पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना की हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इस प्रकरण में पुलिस ने गुरुवार को दो और आरोपियों को हिरासत में लिया है। दोनों भौड़ा गांव के निवासी हैं। पुलिस अब उनसे पूछताछ कर रही है। इस मामले में अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। जांच के दौरान मामले से जुड़े विभिन्न तथ्यों और पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमेठी: लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, दो की मौत

अमेठी। लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र में कादूनाला चौकी के पास शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में बाइक आ गई। हादसे में बाराबंकी जिले के चुंघटेर थाना क्षेत्र के जमुआ गांव निवासी रोहित उर्फ खूनखून (25) और अटहरा गांव निवासी बृजेश उर्फ ग्लोस (22) की मौत हो गई। दोनों की मौत से परिवारों में मातम पसरा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चालक और वाहन की तलाश करने के साथ मामले में कार्रवाई में जुटी है। पुलिस के अनुसार, हादसा रात करीब नौ बजे हुआ। दोनों युवक बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। सूचना मिलने पर भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सौरभ, आशुतोष और आजिंक्य कोर्ट में होंगे पेश, क्राइम ब्रांच करेगी पूछताछ

दिल्ली। नई दिल्ली कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता सौरभ दास, आशुतोष रंका और अजिंक्य आज स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश होंगे। इस बीच, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच भी मामले की जांच कर रही है। इससे पहले, क्राइम ब्रांच ने उन्हें गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे पेश नहीं हुए थे। हालांकि, शुक्रवार के लिए क्राइम ब्रांच की ओर से कोई नया नोटिस जारी नहीं किया गया है, फिर भी इन तीनों से कहा गया है कि वे सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच कभी भी पूछताछ के लिए आ सकते हैं। यदि ये तीनों कार्यकर्ता आज क्राइम ब्रांच के सामने पेश होते हैं, तो उम्मीद है कि वे दोपहर 3 बजे कोर्ट में जाने से पहले वहां



पहुंचेंगे। जांच एजेंसी के सामने पेश होना पूरी तरह से उनके अपने फैसले पर निर्भर करेगा। इससे पहले 22 अक्टूबर को, कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता सौरभ दास, आशुतोष रंका और अजिंक्य शिंदे, दोपहर 12 बजे जांच में शामिल होने के लिए बुलाए जाने के बावजूद, पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के सामने पेश नहीं हुए थे।

अमेरिका में नौकरी करने वालों के लिए बदले नियम

वाशिंगटन। अमेरिका में नौकरी करने का सपना देख रहे भारतीयों और वहां काम कर रही भारतीय आईटी कंपनियों के लिए वीजा नियमों में बदलाव चिंता की वजह बना हुआ है। अमेरिकी सरकार ने विदेशी कर्मचारियों से जुड़े नियमों में सख्ती की है और कई बड़ी आईटी कंपनियों पर भी कार्रवाई की है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका के इन फैसलों का निशाना भारतीय पेशेवर हैं? हाल ही में भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस आशंका को खारिज किया है। उनका कहना है कि इन बदलावों का मकसद भारत को निशाना बनाना नहीं, बल्कि अमेरिकी कर्मचारियों और देश के हितों को प्राथमिकता देना है।

भाजपा का तंज: ‘कांग्रेस एक मदहोश व्यक्ति के पीछे चल रही’

नई दिल्ली। एजेंसी भारतीय जनता पार्टी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता सुभांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लोकसभा में अपने सबसे निम्न स्तर पर पहुंचीं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 50 के नीचे आ गई। भाजपा ने राहुल गांधी को मतिभ्रम का शिकार बताया और तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मदहोशी को सच मानकर अपनी बर्बादी का पैगाम लेकर आगे बढ़ रही है।



भाजपा ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कई राजनीतिक प्रयोग किए और सभी विफल रहे। भाजपा ने कहा, ‘दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज में उनका (राहुल गांधी) दाखिला निशानेबाजी में एक नेशनल लेवल के खिलाड़ी के रूप में हुआ था। उसके बाद निशाना संचयन चुकता है कि सारे निशाने चूकते ही चले जा रहे हैं। देश ने किसी निशानेबाजी में उनका कोई नामो-निशान देखा ही नहीं होगा। उन्होंने 1996-99 के बीच में मॉनिटर नाम की एक ब्रिटिश कंपनी में नौकरी की, वो बंद हो गई। उसके बाद उन्होंने बैकॉप्स नाम की एक ब्रिटिश कंपनी में साझेदारी ली।

मेट्रो एंकर

ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी, नहीं देना होगा शपथ पत्र

अलग रंग के होंगे भारतीय और विदेशी के ड्राइविंग लाइसेंस

नई दिल्ली। एजेंसी

ड्राइविंग लाइसेंस में सरकार कई तरह के बदलाव कर सकती है। सरकार ने इस बात को लेकर प्रस्ताव रखा है कि ड्राइविंग लाइसेंस ऐसा हो, जिससे धारक की राष्ट्रीयता का पता चले। सरकार के इस प्रस्ताव से तात्पर्य है कि अब देश में ऐसे ड्राइविंग लाइसेंस हों, जिसे देखते ही ये पता चल जाए कि कौन भारतीय है और कौन विदेशी। नए नियम के तहत भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए अलग-अलग रंग की स्क्रीम लागू की जाएगी। सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें सरकार ने पहली बार ड्राइविंग लाइसेंस पर धारक की राष्ट्रीयता का उल्लेख करने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए अलग-अलग रंग के ड्राइविंग लाइसेंस बनेंगे। इसके साथ ही, उम्र और पते के सबूत के तौर पर एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट या नोटरी के सामने दिए जाने वाले शपथ-पत्रों को खत्म करने का प्रस्ताव है,



क्योंकि इनका गलत इस्तेमाल होने का खतरा रहता है। इस ड्राफ्ट में, मंत्रालय ने पते, उम्र और पहचान के सबूत के लिए अलग-अलग दस्तावेजों की सूची दी है। पते के सबूत में आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, ई-राशन कार्ड, पिछले तीन महीनों के बिजली या गैस बिल, और विदेशी नागरिकों के लिए कानूनी रूप से मौजूद होने का सबूत शामिल हैं। उम्र के सबूत के तौर पर पासपोर्ट, स्कूल बोर्ड की मार्कशीट, जन्म प्रमाण पत्र और सरकारी विभागों द्वारा जारी पहचान पत्र स्वीकार किए जाएंगे।

पहचान के सबूत के लिए आधार, पासपोर्ट, ई-राशन कार्ड और पैन कार्ड को मान्य माना गया है। सरकार ने नए प्रस्ताव में ऑनलाइन सेफ-ड्राइविंग ट्यूटोरियल असेसमेंट को पास करने के लिए जरूरी अंकों को मौजूदा 60% से बढ़ाकर 75% करने का प्रस्ताव रखा है, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक सख्त बनाया जा सके। साथ ही लाइसेंस बनवाने के लिए धारक को ब्लड ग्रुप, मोबाइल नंबर और इमरजेंसी कॉन्टैक्ट डिटेल देना अनिवार्य करने का प्रस्ताव भी है। लेकिन इन सेवाओं के लाभ ऑनलाइन आधार ऑथेंटिकेशन के जरिए ही मिलेगा। अगर कोई आवेदक तथ्य 12 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज नहीं दे पाता है, तो लाइसेंसिंग अथॉरिटी उम्र और पते के सबूत के तौर पर एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट, ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक के सामने दिए गए शपथ-पत्र को स्वीकार कर सकती है। इन प्रस्तावित बदलावों का मकसद सेवाओं को ज्यादा सुलभ बनाना है।

लाइसेंस अपडेट कराने का नियम

अधिकारियों को ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) की जानकारी (जैसे नाम और पता) बदलने के लिए आए ऑनलाइन आवेदनों को 15 दिनों के भीतर मंजूर या नामंजूर करना होगा। यदि वे आवेदन को नामंजूर करते हैं, तो उन्हें इसका कारण भी बताना होगा। अगर पता बदलने का कोई आवेदन 30 दिनों तक लंबित रहता है, तो उसे मंजूर मान लिया जाएगा। इस ड्राफ्ट में एक ही आवेदन फॉर्म का प्रस्ताव भी है, जिसका इस्तेमाल डीएल रिन्यूअल, डुप्लिकेट लाइसेंस जारी करने, किसी नई श्रेणी के वाहन को जोड़ने और व्यक्तिगत जानकारी में बदलाव जैसी सेवाओं के लिए किया जा सकेगा। आवेदक की जरूरी जानकारी, जहां भी उपलब्ध हो, ‘सारथी’ पोर्टल से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से ले ली जाएगी।